RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 26 डिग्री
न्युनतम तापमान 20 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 25 डिग्री
न्युनतम तापमान 19 डिग्री

गुरुवार 09 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06:18 बजे
सूर्यास्त सांय 17:58 बजे

www.khabariya.com
एनसीआर टुडे
करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 देश के लिए राहुल गांधी अपना काम कर रहे हैं

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 355 | गाजियाबाद, गुरुवार 09 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

तीन दिन की यात्रा पर कल गुजरात जायेंगी मुर्मु

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरूवार को गुजरात की तीन दिन की यात्रा पा जायेंगी और इस दौरान वह सोमनाथ मंदिर में दर्शन तथा आरती में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को यहां बताया कि श्रीमती मुर्मु गुरूवार शाम राजकोट पहुंचेंगी। शुक्रवार को वह सोमनाथ मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी। उसी दिन वह गिर राष्ट्रीय उद्यान का भी दौरा करेंगी और सासन गिर में स्थानीय आदिवासी समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगी। यात्रा के अंतिम दिन श्रीमती मुर्मु द्वारका स्थित द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी। उसी दिन वह अहमदाबाद में गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी।

उद्धव गुट की याचिका पर 12 नवंबर को सुनवाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष द्वारा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न देने के फैसले के खिलाफ दायर उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर 12 नवंबर को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि याचिका पर सुनवाई 12 नवंबर से शुरू होगी और जरूरत पड़ी तो 13 नवंबर को भी जारी रहेगी। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव अगले साल जनवरी में होने की संभावना है और इसलिए इस मामले में तत्काल सुनवाई की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अदालत स्थानीय निकाय चुनावों से पहले इस मामले की अंतिम सुनवाई कर सकती है। शिंदे के नेतृत्व वाले गुट की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और नीरज किशन कौल पेश हुए।

अधिवक्ता किशोर के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांगी अनुमति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को हुई एक बड़ी सुरक्षा चूक के बाद अब इस पर कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। एक अधिवक्ता ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से अनुरोध किया है कि वकील राकेश किशोर के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी दी जाए। दरअसल, 71 वर्षीय वकील ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की थी और नारे लगाए, 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे'। यह घटना खुली अदालत में हुई, जिससे वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। इस घटना के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने किशोर का बार लाइसेंस तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टारमर का स्वागत, उनके साथ बातचीत के लिए उत्सुक हूं : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर आये ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा है कि वह अपने ब्रिटिश समकक्ष के साथ बातचीत के लिए उत्सुक हैं। श्री स्टारमर बुधवार सुबह मुंबई पहुंचे। उनके साथ ब्रिटेन का अब तक का सबसे बड़ा व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी आया है। श्री मोदी ने कहा कि वह भारत तथा ब्रिटेन के बीच मज़बूत और पारस्परिक रूप से समृद्ध भविष्य के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए गुरूवार को होने वाली अपनी बैठक का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। श्री स्टारमर के मुंबई पहुंचने पर श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा , ' ब्रिटेन के अब तक के सबसे बड़े व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की अपनी पहली ऐतिहासिक यात्रा पर प्रधानमंत्री कीर स्टारमर का स्वागत है।

ऑपरेशन सिंदूर से राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई कार्रवाई का

'उचित स्थान' बहाल: वायुसेना प्रमुख

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

वायुसेना प्रमुख ए.पी. सिंह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के ठिकानों पर भारतीय वायुसेना के ''साहसिक और सटीक'' हमलों ने राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई कार्रवाई के उचित स्थान को बहाल किया।

वायु सेना प्रमुख ने कहा कि उनकी सेना ने दुनिया के समक्ष यह साबित कर दिया कि वायु शक्ति का उपयोग कुछ ही दिनों में सैन्य परिणामों को आकार देने में कैसे प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने हिंडन एयरबेस पर 93वें वायुसेना दिवस के अवसर पर वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना की। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की आधिकारिक स्थापना आठ अक्टूबर 1932 को हुई थी।

वायु सेना प्रमुख ने वायु योद्धाओं से भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए ''तैयार रहने'' का आह्वान किया और इस बात पर बल दिया कि भारतीय वायुसेना की योजना ''नवोन्मेषी, व्यावहारिक और अनुकूलनीय'' होनी चाहिए तथा इसका प्रशिक्षण ''जैसे हम लड़ते हैं वैसे ही प्रशिक्षण लें'' के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे प्रदर्शन ने हमें पेशेवर श्तर पर गौरवान्वित किया। हमने दुनिया के समक्ष यह साबित कर दिया कि वायु शक्ति का इश्तेमाल कुछ ही दिनों में सैन्य परिणामों को आकार देने में कैसे प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।''

वायुसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को इस बात का एक शानदार उदाहरण बताया कि ''सावधानीपूर्वक बनाई गई योजना, अनुशासित प्रशिक्षण और दृढ़ निश्चयी कार्यान्वयन'' के जरिए क्या हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''भारत के साहसिक और सटीक हमलों ने राष्ट्रीय चेतना में आक्रामक हवाई कार्रवाई को उचित स्थान दिलाया।''

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, ''हमारी मजबूत वायु रक्षा संरचना और सतह से हवा में मार करने वाली लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों के आक्रामक इश्तेमाल ने दुश्मन की क्षमता को सीमित कर दिया और हमारी महत्वपूर्ण संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।'' उन्होंने कहा, ''स्वदेशी रूप से विकसित और एकीकृत हथियारों ने दुश्मन के इलाके में गहराई तक सटीक और विनाशकारी प्रहार किए। उनका प्रदर्शन स्वदेशी रूप से विकसित क्षमताओं में हमारे विश्वास को पुष्ट करता है।'' पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था जिसमें पाकिश्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में कई आतंकवादी ढांचों को नष्ट करने के लिए हवाई शक्ति का इश्तेमाल किया गया। इन हमलों के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति के साथ समाप्त हुईं।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना की अभियानगत योजनाओं में नई प्रणालियों, हथियारों और उपकरणों के एकीकरण की बढ़ती गति एक ''महत्वपूर्ण सफलता'' रही है। उन्होंने कहा, ''मैं देख सकता हूं कि वायु योद्धाओं में जवाबदेही, सुरक्षा और संरक्षा की संस्कृति बढ़ी है और यह हमारी कम हुई दुर्घटनाओं में प्रत्यक्ष रूप से परिलक्षित होता है।''

अखिलेश से मिलने के बाद बीएसपी में जाने पर क्या बोले आजम खान

✷ एनसीआर टुडे. रामपुर ✷

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मुलाकात की। अखिलेश यादव और आजम खान की इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

कुछ लोग तो यहां तक कयास लगाने लगे हैं कि आजम शायद समाजवादी पार्टी का दामन छोड़कर अब बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) में जाने की योजना बना रहे हैं। वहीं आजम ने इस बात का जवाब बड़े ही रणनीतिक अंदाज में दिया।

समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव से अपनी मुलाकात पर, वरिष्ठ नेता आजम खान ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, 'यह पूरी तरह से पारिवारिक माहौल था हालांकि परिवार मौजूद नहीं था। वह सिर्फ मुझसे मिलने आए थे। मैं अभी-अभी जेल से लौटा हूं और अस्वस्थ हूं. इसलिए यह पूरी तरह से व्यक्तिगत और मानवीय मुलाकात थी। इसका कोई राजनीतिक अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए।' जब उनसे बसपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछा गया, तो खान ने कहा, 'अभी कोई सवारी नहीं आई है वहां से।' अपनी भविष्य की राजनीतिक रणनीति के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, खान ने कहा, 'फिलहाल, मैं अपने स्वास्थ्य को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा और चुनाव अभी बहुत दूर हैं।'

मुंबई को मिला दूसरा हवाई अड्डा, मोदी ने किया उद्घाटन

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 19,650 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आज मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हुआ। मुंबई को अब अपना दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट मिल गया है। यह एयरपोर्ट इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आज मुंबई को पूरी तरह से भूमिगत मेट्रो भी मिली है। इससे मुंबई में परिवहन और आसान होगा, लोगों का समय बचेगा। यह भूमिगत मेट्रो विकसित होते भारत का जीवंत प्रतीक है। मुंबई जैसे व्यश्त शहर में, जमीन के नीचे और ऐतिहासिक ईमारतों को सुरक्षित रखते हुए यह शानदार मेट्रो बनाई गई है। मैं इससे जुड़े श्रमिकों और इंजीनियर्सों को भी बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि जब सपनों को सिद्ध करने का संकल्प हो, जब देशवासियों तक तेज विकास का लाभ पहुंचाने की इच्छा शक्ति हो तो नतीजे भी मिलते हैं। हमारी हवाई सेवा और इससे जुड़ी इंडस्ट्री इसका बहुत बड़ा प्रमाण है।

भारत में एयरपोर्ट की संख्या 160 को पार कर गई है- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आपको याद होगा, 2014 में जब देश ने मुझे अवसर दिया तो मैंने कहा था कि मेरा सपना है हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई सफर कर सके। इस सपने को पूरा करने के लिए बहुत जरूरी था कि देश में नए-नए एयरपोर्ट बनाए जाएं। हमारी सरकार ने इस मिशन पर गंभीरता से काम करना शुरू किया।

बीजेपी से सीटों पर तकरार, क्या प्रशांत किशोर संग बड़ा दांव लगाएंगे चिराग?

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

बिहार चुनाव में चिराग पासवान और प्रशांत किशोर के संभावित गठबंधन की अटकलें तेज़ हो गई हैं, क्योंकि लोजपा (आरवी) भाजपा से 40 'जीतने योग्य' सीटों पर अड़ी है। पासवान 'बिहार पहले, बिहारी पहले' के सिद्धांत पर केंद्रीय मंत्री पद से इश्तीफ़ा देने और जन सुराज से हाथ मिलाने को तैयार हैं, जिससे राज्य में नए राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं।

अगले महीने होने वाले बिहार चुनाव के लिए चिराग पासवान और प्रशांत किशोर के बीच गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसा इसलिए है क्योंकि 'राजनीति में दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। लोजपा और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत के बीच, पासवान और चुनावी रणनीतिकार-राजनेता किशोर, जो पहली बार चुनावी मैदान में उतरेंगे, के बीच तालमेल की चर्चा एक नया 'मोड़' है।

केंद्रीय मंत्री और दिवंगत रामविलास पासवान के उत्तराधिकारी चिराग पासवान ने 2024 के लोकसभा चुनावों में लोजपा (आरवी) के 100% स्ट्राइक रेट का हवाला देते हुए 243 में से कम से कम 40 'जीतने योग्य' सीटों की मांग की थी, जहां पार्टी ने जिन पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था, उन सभी पर जीत हासिल की थी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि चिराग पासवान के नेतृत्व वाली पार्टी 'सम्मानजनक' सीटों पर चुनाव लड़ने पर ज़ोर दे रही है और इससे कम सीटों पर समझौता करने को तैयार नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि चिराग पासवान ने अपने करीबी सहयोगियों से यहाँ तक कह दिया है कि अगर बिहार के लिए ज़रूरत पड़ी तो वह मंत्री पद से इश्तीफ़ा देने को तैयार हैं। उनके लिए 'बिहार पहले, बिहारी पहले' सर्वोपरि है। यह भी कहा जा रहा है कि अगर लोजपा की सीटों की माँग पूरी नहीं हुई, तो वह प्रशांत किशोर की जन सुराज योजना से हाथ मिला सकते हैं। अब सवाल है कि क्या पवन-किशोर गठबंधन संभव है? हाँ।

बिहार के व्यापक राजनीतिक परिदृश्य में दोनों ही विकल्प अप्रत्याशित हैं। हाँ, इससे यह सुनिश्चित होगा कि लोजपा ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन किसी नए चेहरे के साथ गठबंधन करने से पासवान की मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पूरी होने की संभावना कम है। वहीं, आज चिराग पासवान ने कहा कि परिस्थितियाँ भी ऐसी ही थीं। चुनावी साल था, नामांकन का पहला चरण शुरू हो चुका था, और उसी दौरान मेरे पिताजी का निधन हो गया। मेरी पार्टी ने मेरे पिताजी के सपनों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया, और इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए।

उन्होंने कहा कि पार्टी और परिवार बिखर गया, लेकिन मैंने अपने पिताजी के सपनों को कभी टूटने नहीं दिया... 2020 में पार्टी को अकेले चुनाव लड़ना पड़ा, और मैंने उस परिस्थिति का डटकर सामना किया... मैंने हमेशा 'बिहार पहले, बिहारी पहले' के दर्शन को सबसे आगे रखा... आज मेरे पिताजी रामविलास पासवान की पुण्यतिथि है... पार्टी का हर कार्यकर्ता बिहार के विकास के लिए काम करने की प्रतिबद्धता और 'बिहार पहले, बिहारी पहले' के दर्शन को ध्यान में रखकर चुनाव लड़ेगा।

पाक को अमेरिकी मिसाइल की आपूर्ति का अनुबंध केंद्र के लिए कूटनीतिक झटका : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने पाकिस्तान को अमेरिका से 'एआईएम-120, उन्नत, मध्यम दूरी' की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें (एएमआरएएएम) मिलने की संभावना को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया और इसे कूटनीतिक झटका करार दिया।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सात मई, 2025 को सैन्य अनुबंधों संबंधी अमेरिकी युद्ध विभाग की एक सार्वजनिक अधिसूचना के अनुसार, रेथियॉन द्वारा निर्मित उन्नत मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें कनाडा, ताइवान, बुल्गारिया, हंगरी, पोलैंड, स्वीडन, चेक गणराज्य, दक्षिण कोरिया, कुवैत, जापान, फ़िनलैंड, जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, तुर्की, स्पेन और लिथुआनिया को आपूर्ति की जानी थीं।''

उनका कहना है कि 30 सितंबर, 2025 को सैन्य अनुबंधों पर अमेरिकी युद्ध विभाग की सार्वजनिक अधिसूचना में रेथियॉन हवा से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइलों की आपूर्ति के लिए कतर, ओमान, सऊदी अरब, इज़राइल, तुर्की और पाकिश्तान जैसे देशों के नाम शामिल हैं।

कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''कूटनीतिक माहौल कितनी जल्दी बदल जाता है और कूटनीतिक झटके इतनी जल्दी-जल्दी कैसे लगते हैं।''

पाकिश्तानी अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' में मंगलवार को यह खबर प्रकाशित हुई थी कि अमेरिका के युद्ध मंत्रालय (डीओडब्ल्यू) की ओर से हाल ही में अधिसूचित एक हथियार अनुबंध में एआईएम-120 एएमआरएएएम के खरीदारों में पाकिस्तान का भी नाम शामिल है।

इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी के इस्तेमाल से परिवहन क्षेत्र में आएगी क्रांति : गडकरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में ईंधन के नये उपायों के इश्तेमाल से परिवहन क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है और अब इलेक्ट्रिक बैटरी से चलने वाले ट्रकों के संचालन से इस क्षेत्र में जबरदश्त क्रांति आएगी और माल ढुलाई का काम सश्ता, प्रदूषणरहित और ज्यादा आसान हो जाएगा।

श्री गडकरी ने बुधवार को हरियाणा में सोनीपत के गांव पांची गुजरान में देश के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रकों के लिए इलेक्ट्रिक बैटरी के निर्माण से परिवहन की दर बहुत कम हो जाएगी। जिस दर पर बड़े ट्रक डीजल ईंधन से चलते हैं उसके मुकाबले बहुत कम दाम पर अब इलेक्ट्रिक ट्रक अपने गंतव्य तक पहुंच पाएंगे और इससे लॉजिस्टिक खर्च बहुत कम हो जाएगा। इससे ट्रांसपोर्टर का बहुत पैसा बचेगा और इसका सीधा फायदा उपभोक्ता को होगा।

श्री गडकरी ने कहा कि इस समय पेट्रोल डीजल आदि ईंधन का बड़े श्तर पर आयात किया जाता और इस पर 25 लाख करोड़ रुपए खर्च होते हैं। इस कारण देश में वायु प्रदूषण की भी समस्या पैदा होती है। अब ट्रांसपोर्ट में बड़े ट्रक जब बैटरी से चलेंगे तो उससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा और सश्ते दाम पर सामान को एक जगह से दूसरी जगह भी पहुंचाया जा सकेगा। उनका कहना था कि सड़कें अच्छी बन गई हैं और इसके कारण दिल्ली से देहरादून की दूरी दो घंटे में, दिल्ली से जयपुर तीन घंटे में और दिल्ली से अमृतसर चार घंटे में पहुंचा जा सकता है। इससे परिवहनआसान हो रहा है। सड़क निर्माण में भी क्रांति आ रही है और किसानों के पराली जैसे बेकार उत्पादों का प्रयोग सड़क बनाने में किया जा रहा है।

श्री गडकरी ने इस क्रांति से किसानों को हो रहे फायदे का जिक्र करते हुए कहा 'मैं भी किसान हूं। हरियाणा के किसान बेहतरीन काम कर रहे हैं। किसान अन्नदाता हैं। अब हमने तय किया है कि किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं रहेगा। किसान ऊर्जादाता, ईंधनदाता, कोलतारदाता, विटमिनदाता, ईंधनदाता और हाइड्रोजन प्रदाता भी बनेगा।

किसान को अब पराली जलानी नहीं पड़ेगा बल्कि उसे बिटमिन में मिलाकर सड़क का निर्माण किया जाएगा। नागपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहले एक किलोमीटर सड़क का निर्माण पराली को बिटमिन में मिलाकर सड़क बनाया गया है। इस तरह की 400 परियोजनाएं आ रही हैं।

केंद्रीय श्रम मंत्री ने 'ई-श्रम पोर्टल' को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 'ई-श्रम पोर्टल' को असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक क्रांतिकारी डिजिटल पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल 'पब्लिक गुड' के रूप में विकसित किया गया है, जो हर श्रमिक को उसके हक और सुरक्षा का पूर्ण अधिकार सुनिश्चित करता है।

मनसुख मांडविया ने कहा, "देश में आज सामाजिक सुरक्षा का दायरा लगातार बढ़ रहा है। फूड सिक्योरिटी योजना के तहत करोड़ों लोगों को सश्ता राशन मिल रहा है, ईएसआईसी के माध्यम से लाखों श्रमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि कई नागरिकों को बैंकों द्वारा एक्सीडेंट बीमा का संरक्षण प्राप्त है। इन योजनाओं के माध्यम से देश में सोशल सिक्योरिटी को मजबूत किया गया है।"

मांडविया ने 'ई-श्रम पोर्टल' को भारत की डिजिटल क्रांति का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह पोर्टल असंगठित श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का एक एकीकृत प्लेटफॉर्म है। पोर्टल पर अब तक 30 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हो चुके हैं, और प्रतिदिन औसतन 60,000 से 90,000 नए पंजीकरण हो रहे हैं।

पोर्टल अब 'ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन' के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें 10 केंद्रीय योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), एक राष्ट्र एक राशन कार्ड, और पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना शामिल हैं। मंत्री ने असंगठित श्रमिकों से अपील की कि वे तत्काल पोर्टल पर पंजीकरण कराएं, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके। हाल ही में, मांडविया ने ई-श्रम पोर्टल पर बहुभाषी कार्यक्षमता का शुभारंभ किया।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में हत्या मामले में एक ही परिवार के 5 सदस्यों को उम्रकैद, जुर्माना भी लगाया

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर जिला न्यायालय ने हत्या के मामले में एक ही परिवार के पांच सदस्यों को दोषी ठहराते हुए मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने सभी पर 34-34 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न देने पर दोषियों को छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। एडीजीसी क्राइम नितिन त्यागी ने बताया कि घटना 29 जून 2020 की है। वादी बाबूराम ने कासना कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था कि भतीजा सोनू बिलासपुर से अपने गांव नियाना लौट रहा था। रास्ते में जसमाल और उसके पुत्र राजकुमार के अलावा राजकुमार के पुत्र निशांत ने ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर रखी थी। सोनू ने रास्ता देने को कहा तो सभी ने गाली-गलौज की और रास्ता देने से इनकार कर दिया। विरोध पर उससे मारपीट की गई। किसी तरह सोनू बचकर घर पहुंचा और अपने परिजनों को पूरी घटना बताई। सोनू की बात सुनकर वादी के भाई राजेंद्र सिंह, बिजेंद्र सिंह और देवेंद्र सिंह शिकायत करने जसमाल के घर पहुंचे। वहां पहले से मौजूद राजकुमार, निशांत और मोंटी ने उनसे भी गाली-गलौज शुरू कर दी। इस बीच जसमाल ने अपनी लाइसेंसी बंदूक निकालकर निशांत को दे दी और राजकुमार की पत्नी निरोज ने घर से दो फरसे निकालकर अपने पति राजकुमार और पुत्र मोंटी को थमा दिए। निशांत ने बंदूक से बिजेंद्र पर गोली चलाई।

छत्तीसगढ़ में खांसी के सिरप पर सख्ती, स्वास्थ्य विभाग ने डॉक्टरों को हाई अलर्ट पर रखा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने सूबे में 2 साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी का सिरप देने पर पूरी तरह से रोक लगा दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि केंद्र ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि 2 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार की खांसी की सिरप या सर्दी-जुकाम की दवा नहीं दी जानी चाहिए। यही नहीं छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों के लिए दवाओं के इस्तेमाल को लेकर एडवाइजरी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए अपने अधिकारियों और डॉक्टरों को हाई अलर्ट पर रखा है। एक अधिकारी ने बताया कि अन्य राज्यों में बच्चों की मौतों के कारण जिन दवा कंपनियों पर सवाल उठ रहे हैं, छत्तीसगढ़ में उनका कोई सरकारी आपूर्ति अनुबंध नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दो साल से कम उम्र के बच्चों को कोई कफ सिरप या सर्दी-जुकाम की दवा नहीं देने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। आमतौर पर ऐसी दवाएं पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए भी नहीं दी जाती हैं। अब छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) और सिविल सर्जनों को नए दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा है। सरकारी के साथ प्राइवेट अस्पतालों को भी केंद्र की एडवाइजरी का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। राज्य के स्वास्थ्य सेवा आयुक्त ने साफ कहा है कि खांसी और सर्दी की दवाएं केवल डॉक्टर के पर्चे पर ही दी जानी चाहिए। इस बारे में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने पूरे राज्य में निगरानी तेज कर दी है। औषधि निरीक्षकों की टीमें बनाई गई हैं। सभी सहायक औषधि नियंत्रकों और औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे मेडिकल स्टोर और निजी दवा दुकानों का निरीक्षण करें ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्र सरकार की एडवाइजरी का कोई उल्लंघन ना होने पाए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने माता-पिता और अभिभावकों से अपील की है कि वे बिना डॉक्टर के पर्चे के बच्चों को कोई भी दवा ना दें।

ग्रेटर नोएडा अब दूसरों को भी देगा बिजली सप्लाई

चार थाने हो रहे सोलर लाइट से जगमग

नोएडा, एजेंसी। कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के चार थाने खुद की बिजली से जगमग हो रहे हैं। सौर ऊर्जा पर निर्भर दनकौर, रबुपुरा, जारचा और दादरी थानों ने रोजाना 35 से 40 किलोवॉट बिजली पैदा करना शुरू कर दिया है। जल्द ही अन्य थानों और कार्यालयों में भी सौर ऊर्जा प्लेट लगाई जाएगी।

सौर उर्जा से रोशन होने वाले थानों में सोलर प्लेट सीएसआई फंड के तहत लगाई गई है। कमिश्नरेट के तीनों जोन में 27 थाने हैं। इसके अलावा सेक्टर-108, सूरजपुर, सेक्टर-14ए से लेकर कई स्थानों पर पुलिस ऑफिस हैं। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि विभिन्न थानों और दफ्तरों को कार्बन फ्री करने और सौर ऊर्जा से बिजली सप्लाई करवाने की योजना तैयार की गई थी। दनकौर, रबुपुरा, जारचा और दादरी थाने में सोलर पैनल लगवाया गया है। अब यहां पर बाहरी बिजली की आवश्यकता नहीं है। यह अनूठी पहल कई अन्य जिलों के थानों के लिए भी नजीर बनेगी। यहां बिजली उत्पादन कर थानों और कार्यालयों में सप्लाई की जाएगी। पुलिस की टीम ने सबसे पहले पुलिस विभाग में बिजली आपूर्ति और खपत के बारे में जानकारी इकट्ठा की। इसके बाद तकनीकी विशेषज्ञों से बातचीत कर सोलर पैनल लगवाने का काम शुरू किया। इसके लिए पुलिस ने कई कंसल्टेंसी एजेंसी से संपर्क किया। सौर ऊर्जा से बिजली आपूर्ति होने के बाद थानों में बेरोकटोक काम हो रहा है और बिजली के तारों से लेकर सप्लाई कट की समस्या से मुक्ति मिली है।

सेक्टर-108 स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय भी सौर ऊर्जा से रोशन होगा। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। जल्द ही यहां भी सौर ऊर्जा की प्लेट लगाने काम शुरू हो जाएगा। दूसरे चरण में चार अन्य थानों में संयंत्र लगवाया जाएगा। इन थाने की बिल्डिंग को ग्रीन बिल्डिंग बनाया जाएगा।

गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस न केवल सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से अपने भवनों को जगमग करेगी, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर उसे बेचेगी। इससे अर्जित लाभ से बेहतर पुलिसिंग की जाएगी। इस राशि को पुलिसकर्मियों के कल्याण में लगाया जाएगा। इन सभी का पूर्ण प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

फरीदाबाद में अरावली वन क्षेत्र का सेफ्टी प्लान रेडी, कब्जे से बचाने को मलबे से होगी चारदीवारी

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में अरावली में अवैध निर्माणों को तोड़ने के बाद पड़े मलबे का निस्तारण करना प्रशासन का सिरदर्द बना हुआ है। अब इस मलबे से अरावली के वन क्षेत्र की चारदीवारी करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मंजूरी मिलते ही इस पर काम शुरू हो जाएगा। अरावली पहाड़ी में वन विभाग ने नगर निगम प्रशासन की मदद इस वर्ष मई माह में तोड़फोड़ शुरू की थी। करीब पौने दो माह तक चली इस तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान यहां बने 241 निर्माणों को तोड़ दिया था। बड़े पैमाने पर हुई तोड़फोड़ के बाद अरावली वन क्षेत्र में भारी पैमाने पर मलबा बिखरा पड़ा है। अब प्रशासन को इस मलबे का निस्तारण करना है। सैकड़ों की संख्या में तोड़े गए अवैध निर्माणों की वजह से यहां काफी मलबा है।

नो एंट्री में एसयूवी रोकी तो भाजपा नेता ने होमगार्ड की कॉलर पकड़ी

बोलो- मेरे चाचा सांसद हैं...देख लूंगा

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर के कल्याणपुर में नो एंट्री में घुस रहे एसयूवी सवार एक नेता को रोकना ट्रैफिक होमगार्ड को भारी पड़ गया। आरोप है कि गाड़ी रोकने से तमतमाए भाजपा नेता ने होमगार्ड का कॉलर पकड़कर गाली गलौज की और खुद को सांसद का भतीजा बताकर देख लेने की धमकी दी। इस दौरान नेता ने सांसद की कोठी में बुलाकर औकात दिखाने की बात भी कही। देर शाम होमगार्ड की शिकायत पर नेता धीरेंद्र सेंगर और तीन अज्ञात के खिलाफ कल्याणपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। नेता की हरकत का एक वीडियो भी वायरल हो गया। हालांकि 'लाइव हिन्दुस्तान' वायरल हो रहे वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। मंगलवार को ट्रैफिक होमगार्ड अजय कुमार सिंह की ड्यूटी कल्याणपुर चौराहे के पास लगी थी। इस दौरान एक एसयूवी मेट्रो पिलर के पास नो एंट्री में आते दिखी। जिस पर भाजपा का झंडा लगा था। होमगार्ड अजय ने एसयूवी रोकी तो नेता होमगार्ड के साथ गाली गलौज करने लगे। आरोपित युवक का नाम धीरेंद्र सेंगर बताया जा रहा है। आरोपित खुद को एक सांसद का भतीजा बता रहा था। इस दौरान आरोपित धीरेंद्र ने होमगार्ड अजय कुमार से सांसद की कोठी में बुलाकर बात करने की धमकी भी दी। दबंगई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कल्याणपुर इंस्पेक्टर अजय मिश्रा ने बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। एसयूवी रोके जाने पर सड़क पर नेता और होमगार्ड के बीच हो रही बहस पर वहां लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि इसी भीड में से किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

ओडिशा में भाजपा नेता पीताबाश पांडा की सनसनीखेज हत्या

घर के पास सीने में मार दी गोली

गंजम , एजेंसी। ओडिशा के गंजम जिले के बरहामपुर में भारतीय जनता पार्टी नेता पीताबाश पांडा की हत्या के बाद सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने सोमवार रात गोली मारकर पांडा की हत्या कर दी। उन पर ब्रह्म नगर स्थित उनके आवास के पास हमला किया गया। भाजपा नेता पीताबाश पांडा पेशे से वकील और ओडिशा स्टेट बार काउंसिल के सदस्य भी थे। वहीं वह भाजपा के प्रख्यात प्रवक्ता और जाने-माने आरटीआई कार्यकर्ता भी थे। पुलिस के मुताबिक दो बाइक सवार बदमाशों ने उन पर बिल्कुल नजदीक से गोली चलाई। एक गोली उनके सीने में जा लगी, जिससे उनकी मौत हो गई। पांडा को आनन-फानन में एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पीताबाश पांडा का आज सुबह अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस को शक है कि हत्या पूर्व नियोजित थी और वह पेशेवर और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया है कि भाजपा नेता को सोमवार रात करीब 10 बजे गोली मारी गई। वहीं एसपी सरवण विवेक एम ने कहा कि जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। फिलहाल हमलावरों की पहचान के लिए आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इस बीच मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता की नृशंस हत्या की निंदा की है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत पांडा की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया और पुलिस को अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने और कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का आदेश दिया है। माझी ने एक बयान में कहा, ओडिशा शांतिपूर्ण राज्य है, यहां ऐसी जघन्य कृत्यों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वहीं बीजद नेता भृगु बक्सीपात्रा ने हत्या की निंदा करते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई है। एएनआई से बात करते हुए, बक्सीपात्रा ने कहा, कल की घटना अब साबित करती है कि सत्तारूढ़ दल के नेता भी सुरक्षित नहीं हैं... हमें भी लगता है कि यह राज्य सरकार स्थिति को संभालने में असमर्थ है... मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर जांच में कई लोग इसमें शामिल पाए जाएं।

कौन हैं अजीत भारती, चीफ जस्टिस बीआर गवई को लेकर क्या कहा कि मच गया हंगामा?

नोएडा, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के नोएडा पुलिस ने मंगलवार को कंटेंट क्रिएटर और यूट्यूबर अजीत भारती से पूछताछ की। यह पूछताछ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर उनके सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों को लेकर की गई। यह सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक वकील द्वारा सीजेआई पर जूता फेंकने के प्रयास की घटना से जुड़ी थी। पुलिस ने हालांकि साफ-साफ कहा है कि अजीत भारती को गिरफ्तार नहीं किया गया था, बल्कि केवल पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

अजीत भारती को पहले सेक्टर-58 थाने ले जाया गया और बाद में डीसीपी कार्यालय (12/22 आउटपोस्ट) में पूछताछ की गई। लगभग तीन घंटे की पूछताछ के बाद शाम करीब 4:30 बजे उन्हें रिहा कर दिया गया। नोएडा पुलिस के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने गिरफ्तारी की अफवाहों का खंडन किया। अजीत भारती ने भी पूछताछ के बाद एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं ठीक हूं। न तो गिरफ्तारी हुई है और न ही हिरासत में हूं।

कौन हैं अजीत भारती?: बिहार के बेगूसराय के रहने वाले अजीत भारती एक स्वतंत्र पत्रकार, लेखक और सोशल मीडिया क्रिएटर हैं। वे राजनीतिक, सामाजिक, न्यायिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर वीडियो, कमेंट्री और व्यंग्यपूर्ण कंटेंट के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुख्यधारा के मीडिया हाउस में काम किया है, लेकिन बाद में अपना मीडिया

ब्रांड एबी4के मीडिया शुरू किया। उनकी वेबसाइट के अनुसार, अजीत भारती भारतीय वैकल्पिक मीडिया में एक जाना-माना नाम हैं। वे कभी भी सरकार, न्यायपालिका या मीडिया पर सवाल उठाने या हमला करने से नहीं हिचकिचाते। अजीत भारती रोस्ट वीडियो भी बनाते हैं, जो उनकी राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य शैली को दर्शाते हैं। उनकी न्यायपालिका पर टिप्पणियों के कारण उन्हें दो बार अवमानना कार्यवाही का सामना करना पड़ा, लेकिन वे निर्भीक बने रहे। उन्होंने कई किताबें भी लिखी हैं। किताबों में बकर पुराण, घर वापसी, देयर विल बी नो लव और जो भी कहूंगा सच कहूंगा शामिल हैं। सोशल मीडिया पर उनकी मजबूत पकड़ है । एक्स पर लगभग 5 लाख फॉलोअर्स और यूट्यूब पर 7 लाख से अधिक सब्सक्राइबर्स हैं। वे दक्षिणपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और पहले भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसे मुद्दों पर विवादास्पद टिप्पणियों के कारण चर्चा में रहे।

सीजेआई पर क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हाल में जूता फेकने की घटना के कुछ घंटों बाद अजीत भारती ने एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने सीजेआई गवई का मजाक उड़ाया। कैप्शन में लिखा, गवई एक घटिया और अयोग्य जज हैं। उन्हें अदालत की अवमानना का मामला झेलना चाहिए। वीडियो में उन्होंने कहा, हाल ही में उनकी जूतों की फोटो देखकर जूते और चीफ जस्टिस पर वीडियो बनाना चाहता था, लेकिन किसी कारण से नहीं बना सका। लगता है जूते तो उनसे चिपक ही गए यह विवाद 16 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई से जुड़ा है, जहां सीजेआई गवई ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की क्षत-विकृत मूर्ति को बहाल करने की याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने कहा था कि साइट पुरातात्विक स्मारक है और बदलाव के लिए एएसआई की मंजूरी जरूरी है। कुछ लोगों ने इसे सनातन धर्म का अपमान माना। संस्थापक और कार्यकर्ता सूरज कुमार बौद्ध ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरामणी को पत्र लिखकर भारती और एक धार्मिक वक्ता के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही की अनुमति मांगी। पत्र में कहा गया, ये बयान और कार्रवाइयां मुख्य न्यायाधीश और अन्य जजों के खिलाफ हिंसा भड़काने का उद्देश्य रखते हैं।

जेल में बंद तौकीर रजा पर कसा शिकंजा, नौ अन्य मुकदमों में भी बी वारंट जारी

बरेली, एजेंसी। बरेली बवाल में गिरफ्तारी के बाद आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस बवाल से जुड़े नौ अन्य मुकदमों में बी वारंट जारी कराकर उसे कोर्ट में तलब कराया है। इसके साथ ही उसके सबसे करीबी नफीस पर भी शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो गई है।

मौलाना तौकीर रजा के बुलावे पर जबरन इस्लामिया ग्राउंड जाने की कोशिश कर रही भीड़ ने 26 सितम्बर को जुमे की नमाज के बाद बवाल कर दिया था। रोकने की कोशिश पर करीब दस स्थानों पर पुलिस पर पथराव और फायरिंग किया गया। पुलिस का वायरलेस सेट और एंटी राइट गन लूट ली गई। इस मामले में शहर के पांच थानों में दस मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इनमें से प्रमुख मुकदमा खलील तिराहे पर हुए बवाल का था, जिसमें तौकीर रजा और नफीस समेत कई को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। हालांकि तौकीर रजा कोतवाली के छह और प्रेमनगर के एक मुकदमे में नामजद भी है। मगर अब उसे कोतवाली के पांच, बारादरी के दो और कैंट, किला व प्रेमनगर के एक-एक मुकदमे में आरोपी बनाकर बी वारंट पर कोर्ट में तलब कराया जा रहा है। इसके

26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बवाल कर दिया था

अलावा सीएए-एनआरसी प्रकरण को लेकर कोतवाली में वर्ष 2019 में दर्ज मुकदमे भी उसे बी वारंट पर तलब कराया गया है। संवेदनशीलता के चलते वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगी पेशीपुलिस ने कुल दस मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा की पेशी के कोर्ट में आवेदन किया है। मौलाना इन दिनों फतेहगढ़ जेल में बंद है और माहौल संवेदनशील है। ऐसे में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ही कोर्ट में उसकी पेशी कराई जाएगी। तौकीर के साथ ही पुलिस उसके करीबी आईएमसी के राष्ट्रीय महासचिव नफीस पर भी शिकंजा कसेगी। उसे लियाकत की ओर से कोतवाली में दर्ज कराए मुकदमे में बी वारंट पर तलब कराया जाएगा।25 अन्य उपद्रवी चिह्नित, किए जा रहे नामजदबवाल को लेकर 26 और 27 सितंबर को दस मुकदमे दर्ज कराए गए थे। इनमें 126 नामजद और 3225 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। बमौलाना तौकीर के 77 करीबियों को चिह्नित किया था, जिनकी बवाल में भूमिका तलाश की जा रही थी। अब तक की जांच में इनमें से 25 लोगों की भूमिका सामने आ चुकी है और अब इन सभी को मुकदमे में नामजद करने की तैयारी है।

आप प्रतिनिधिमंडल को किया हाउस अरेस्ट

बरेली जा रहे आप के प्रतिनिधिमंडल को राजधानी में ही रोक लिया गया। अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल व बौद्ध प्रांत के अध्यक्ष इमरान लतीफ सहित 16 नेताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया और उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया। आप पदाधिकारियों ने इसका विरोध किया लेकिन पुलिस ने उनकी एक न सुनी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि धर्म व जाति के नाम पर लोगों को बांटा जा रहा है। जो पीड़ित हैं, उनसे विपक्षी दलों को मिलने भी नहीं दिया जा रहा है। लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसी घटनाएं हो रही हैं और सरकार इसे रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। पार्टी के नेता दिलीप पांडेय ने कहा कि सोमवार की रात को ही आप के नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

एसयूवी-ट्रक की टक्कर में बंगाल के 5 लोगों की मौत, कई घायल

छत्तीसगढ़ में भीषण हादसा

कबीरधाम, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में रविवार को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और ट्रक की टक्कर में तीन महिलाओं व एक नाबालिग लड़की समेत पांच लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में पांच अन्य घायल भी हुए हैं। ये लोग मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एक एसयूवी-बोलेरो और ट्रक की आपस में जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन महिलाओं और एक नाबालिग लड़की समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। ये लोग पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान घूमने के बाद कोलकाता जाने वाली ट्रेन

पकड़ने के लिए बिलासपुर जा रहे थे। यह घटना चिल्फी थाना क्षेत्र के अकालघरिया गांव के पास शाम करीब साढ़े चार बजे हुई। बोलेरो में ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों में दो लड़कियों को कवर्धा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अन्य घायल व्यक्ति को बोड़ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। वहीं गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में रविवार को ट्रक से टकराने के बाद एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में आग लग गई, जिससे दोपहिया वाहन पर सवार दो लोगों की जलकर मौत हो गई। घटना इंदौर-इच्छापुर राजमार्ग पर एक पेट्रोल पंप के पास हुई। ट्रक 'फ्लाई ऐश' ले जा रहा था। इसी दौरान उसने एक दोपहिया वाहन और एक बस को टक्कर मार दी। स्कूटर ट्रक के नीचे फंस गया और उसमें आग लग गई जिससे दोनों सवारों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बोलेरो को वाहन सतना से किराये पर ली गई थी. बताया जा रहा है कि बोलेरो में कुल 10 लोग सवार थे. इस दौरान जब बोलेरो रायपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर अकलघरिया के पास पहुंची. इस दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक से बोलेरो की जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए. हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

फरीदाबाद में मर्डर, दोस्तों ने युवक को बुलाया और शराब पिलाकर मार डाला

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक शख्स की उसके दोस्तों ने ही पीट-पीटकर मार डाला और उसका शव झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए। इस मामले में परिजनों ने मृतक की गुमशुदगी का केस पुलिस थाने में दर्ज करवाया था। पुलिस ने इसका खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी मृतक के दोस्त हैं

मामला फरीदाबाद के बल्लभगढ़ का है। यहां के आईएमटी फरीदाबाद इलाके में तीन दोस्त मिलकर शराब पी रहे थे। इस दौरान किसी बात को लेकर उन लोगों में लड़ाई हो गई। लड़ाई के दौरान हरिचंद और हनीश नाम के दो आरोपियों ने प्रेमपाल नाम के अपने ही दोस्त को खूब पीटा और उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों आरोपियों ने प्रेमपाल के शव को झाड़ियों में फेंक दिया और फरार हो गए। इस मामले की जांच कर रही पुलिस को जब लाश मिली तो उसका खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सोमवार का है। सोमवार को प्रेमपाल के बुजुर्ग पिता ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पिता ने कहा कि उनका बेटा 1 अक्टूबर से ही लापता है। पुलिस को दी गई शिकायत में प्रेमपाल के पिता सुखनलाल ने कहा कि उनका बेटा 1 अक्टूबर की रात लगभग 10 बजे लापता हो गया। पिता ने बताया कि उनके बेटे के पास मोबाइल नहीं है। उसकी पहचान बताते हुए पिता ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे ने नीली जींस और नीली टी-शर्ट पहनी हुई थी।

फैक्ट्री बेचने का झांसा देकर 16 लाख हड़पे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में स्थित एक फैक्ट्री बेचने के नाम पर दो लोगों से 16 लाख रुपये हड़पने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस आयुक्त के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गांव कादराबाद निवासी अरुण कुमार नेहरा की तरफ से मोदीनगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसमें उसने बताया कि बागपत बडौत की शिक्षक कॉलोनी निवासी सत्येंद्र सोलंकी मोदीनगर में सारा रोड पर फैक्ट्री है। सत्येंद्र सोलंकी ने जमीन सहित फैक्ट्री बेचने के लिए अरुण से बातचीत की। जिस पर दोनों के बीच 20 लाख रुपये में सौदा हुआ। एग्रीमेंट के दौरान अरुण और उसके दोश्त आदेश त्यगी निवासी मेरठ ने आठ-आठ लाख रुपये के चेक सत्येंद्र को दिए। चार लाख रुपये बैनामा के दौरान देना तय हुआ। आरोप है कि इसके बाद आरोपी बैनामा करने से मुकरने लगा।इसका विरोध करने पर आरोपी ने 11 लाख रुपये का चेक दिया जो बाउंस हो गया। आरोप है कि आरोपी अब रुपये नहीं लौटा रहा है और जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने इस तरह अन्य लोगों से भी रुपये हड़पे है। वहीं सीओ मोदीनगर का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

महिला से मोबाइल लूटकर बदमाश फरार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर थाना क्षेत्र के कादराबाद में एक महिला से बाइक सवार बदमाश मोबाइल लूटकर फरार हो गए। बदमाशों ने चेहरे पर कपड़ा ढककर घटना को अंजाम दिया था। मोदीनगर की वैशाली एन्क्लेव कॉलोनी में रहने वाली महिला बबीता कादराबाद में पट्टी फैक्ट्री में काम करती हैं। बुधवार सुबह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जैन शिकंजी के पास बाइक पर आए दो बदमाश फोन छीनकर फरार हो गए। बताया गया कि महिला से गुम होने की शिकायत देने के कहा गया।

छत से कूदा चोर, लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के लाजपत नगर स्थित शहीद प्यारेलाल कॉलोनी में घर में घुसे चोर को लोगों ने दबोच लिया। वह भागने के चक्कर में छत से कूद गया और चोटिल होने पर पकड़ा गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके चोर को गिरफ्तार कर लिया है। शहीद प्यारेलाल कॉलोनी में रहने वाले अशोक कुमार ने बताया कि सात अक्टूबर तड़के घर में कुछ आवाज सुनकर उनकी आंख खुली थी। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अजय गिरि निवासी शहीद प्यारेलाल कॉलोनी बताया।

राज्य कर विभाग ने अभियान के तहत 10.14 लाख वसूले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। राज्यकर विभाग ने विशेष अभियान चलाकर लोनी क्षेत्र में करीब पांच फर्मों पर टैक्स चोरी पकड़ते हुए 10.14 लाख रुपये वसूले हैं। अधिकारियों की मानें तो त्योहारी सीजन में ये अभियान जारी रहेगा, ताकि जीएसटी चोरी करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। अपर आयुक्त राज्य कर जोन-द्वितीय संदीप भार्गव के नेतृत्व में पिछले हफ्ते जीएसटी चोरी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान उपायुक्त पंकज लाल ने विभागीय टीम के साथ लोनी के ट्रोनिका सिटी, बलराम नगर, इंद्रापुरी में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मैसर्स मैगपाई इम्पैक्स, एम टैक ऑटोमोटिव, आनंद होजरी, जय दुर्गा ऑटोमोबाइल, बंसल इंटरप्राइजेज से बकाया जमा कराने के लिए कहा गया। साथ ही कुर्की के नोटिस जारी करते हुए कुल 10.14 लाख रुपये जमा कराए गए। उपायुक्त पंकज लाल ने बताया कि शासन के निर्देश पर बकाया वसूली को लेकर अभियान जारी है। इस दौरान कई प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी किया गया। इस मौके पर अजीत कुमार, नरेंद्र सिंह, नरेश चौधरी, नवाब सिंह आदि शामिल रहे।

मोबाइल हैक कर खाते से पौने तीन लाख उड़ाए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। साइबर अपराधियों ने एपीके फाइल से मोबाइल हैक कर खाते से पौने तीन लाख रुपये साफ कर दिए। पीड़ित के बेटे ने मोबाइल देखा तो खाते से रकम कटने का पता चला। ट्रांजेक्शन को लेकर उनके पास कोई ओटीपी नहीं आया। मसूरी पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंद्रगढ़ी डासना देहात की एनटीपीसी कॉलोनी में रहने वाले वेदप्रकाश का कहना है कि उनका खाता केनरा बैंक की गोविंदपुरम शाखा में है। 30 सितंबर की शाम उनके मोबाइल पर पीएम योजना की एपीके फाइल आई। यह फाइल उन्हें भारतीय किसान युवा जागरूक संगठन नाम के वॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से मिली थी। इस ग्रुप में उन्हें धर्मवीर सिंह नामक व्यक्ति द्वारा जोड़ा गया था और एपीके फाइल किसी अनजान नंबर से ग्रुप पर डाली गई थी। गलती से उन्होंने फाइल को डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उनके मोबाइल में बिना अनुमति के कई नए सर्विसेज के लॉगिन और एक्टिवेशन मैसेज आने लगे, लेकिन उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। चार अक्तूबर की रात करीब 11 बजे उनके बेटे ने मोबाइल देखा तो हैक होने का पता चला। जानकारी लगी कि उनके खाते से 2.70 लाख रुपये निकाले जा चुके हैं। वेदप्रकाश का कहना है कि उनके मोबाइल पर किसी भी प्रकार का मेसेज नहीं आए थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सात अक्तूबर को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कूड़ा डालने का विरोध करने पर महिला से मारपीट, हाथ तोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर स्थित गांव सीकरी खुर्द में घर के सामने कूड़ा डालने का विरोध करने पर मारपीट कर महिला का हाथ तोड़ दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। गांव सीकरी खुर्द निवासी गीता ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 29 सितंबर को सफाईकर्मी नाली की सफाई करने के बाद कूड़ा उसके घर के बाहर छोड़ दिया। उसके पूछने पर सफाईकर्मी ने बताया कि उनके पड़ोसी के कहने पर कूड़ा यहां किया गया है। महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी घर से बाहर आया और महिला के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। आरोपियों ने महिला का हाथ तोड़ दिया और भविष्य में दोबारा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

रहस्य में ढंग से लापता युवक का सुराग नहीं, परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

15 वर्षीय एक युवक दो दिन से अपने घर से लापता है। लापता युवक के चाचा द्वारा युवक की गुमशुदगी की तहरीर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

नगर के मौहल्ला नेजोवाली गांवड़ी विजय ने थाने में शिकायत देकर कहा है कि उसका 15 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार दिनांक 6 अक्टूबर अर्ली मोर्निंग 3 बजे से अपने घर से लापता है। परिजनों ने सभी संभावित स्थानों पर उसे तलाशा लेकिन उसका कहीं पता नहीं लगा। युवक के लापता होने से उसके परिजन परेशान हैं।

लापता युवक के चाचा व परिजनों ने परेशान व हताश होकर युवक की गुमशुदगी की तहरीर नगीना पुलिस को देकर युवक का पता लगवाये जाने की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर युवक की गुमशुदगी की तहरीर लेकर मामले में कार्यवाही शुरू कर दी है।

उधर शिकायतकर्ता के चाचा विजय ने अपने पुत्र का हुलिया व नाम राहुल कुमार उम्र क़रीब 15 वर्ष रंग सामला लंबाई 5 फुट शरीर हेल्दी काले रंग का की पेंट तथा हल्की ग्रह रंग की टीशर्ट और पैरों में जूते पहने हुए बताया हैं। साथ ही निवेदन किया है कि सूचना मिलने पर उनके द्वारा दिये गए संपर्क नम्बर : 7906328956 थाना प्रभारी निरीक्षक संपर्क नम्बर : 9454403136, से समपर्क करने की बात कही है।

25 वर्षीय युवक का शव रेलवे लाइन पर मिला परिवार में शौक

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

एक 25 वर्षीय युवक का शव रेलवे लाईन पर क्षत विक्षत अवस्था में मिला।, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संभावना व्यक्त की जा रही है कि युवक ने गृह कलेश के चलते ट्रेन से कटकर आत्म हत्या की है।

थाना क्षेत्र के ग्राम जमालपुर बांगड़ निवासी जुनैद अहमद 25 वर्ष का शव बुधवार की सुबह 7 बजे करीब पुरैनी रेलवे स्टेशन के पास खंबा नंबर 1468/ 09/ 11 अप लाइन पर क्षत - विक्षत अवस्था में पड़ा मिला।

शव मिलने की खबर से मौके पर आसपास के लोग एकत्र हो गये। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अवनीत मान पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और भीड़ को तितर वितर कर शव को कब्जे में लेते हुये पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है ।संभावना व्यक्त की जा रही है कि युवक ने गृह कलेश के चलते आत्महत्या की है। परिजन मामले में कुछ नहीं बता रहे हैं।

फीस न जमा करने पर छात्रा को नहीं देने दी परीक्षा, अभिभावक ने लगाई सीएम से गुहार

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

नगर के मोहल्ला मुस्लिम चौधरीयान निवासी आमिर पुत्र शमीम अख्तर ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को प्रार्थना पत्र देकर शिक्षा विभाग और स्थानीय विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में आमिर ने बताया कि उसकी भांजी अनफा जहूर, आदिल ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल स्योहारा में कक्षा 3 की छात्रा है।

आर्थिक तंगी के कारण कुछ समय से फीस जमा नहीं हो सकी थी। आज दिनांक 08 अक्टूबर 2025 को परीक्षा के दौरान विद्यालय प्रबंधन ने छात्रा को परीक्षा देने से रोक दिया और एक अलग कमरे में बैठा दिया।

आमिर का आरोप है कि जब उसने विद्यालय पहुंचकर इस संबंध में जानकारी ली तो विद्यालय प्रबंधक और टीचर ने उसके साथ अभद्रता की और स्कूल से बाहर निकाल दिया। इतना ही नहीं, शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पीड़ित ने मामले की शिकायत थाना स्योहारा में भी दी है और मुख्यमंत्री से न्याय दिलाने तथा विद्यालय प्रशासन पर कार्रवाई की मांग की है।

भगवान वाल्मीकि मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर की बाल्मीकि बश्ती में बड़े हर्षोल्लास और पूर्ण विधि-विधान के साथ भगवान वाल्मीकि जी की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने मिलकर हवन, पूजन एवं वाल्मीकि उत्सव मनाया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण छाया रहा।

इस अवसर पर वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन, उनके ज्ञान, और रामायण रचना जैसे अमर योगदानों के बारे में विश्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने समाज को सत्य, ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को हलवा, पूरी और सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर परम आनंद की अनुभूति की।

यह आयोजन झालू वाल्मीकि समिति द्वारा किया गया। जिसमे प्रमुख रूप से वाल्मीकि समाज के संजय मेहरा, आकाश मेहरा, दीपू वाल्मीकि, अंकित वाल्मीकि, जीतू वाल्मीकि, प्रिंस मेहरा, दिनेश मेहरा, संजीव मेहरा, कपिल मेहरा, शिवा मेहरा, सौरव भगत जी, ऋतिक मेहरा, सुजल मेहरा, सुंदर मेहरा आदि समिति सदस्यों ने भक्ति और समर्पण भाव से आयोजन को सफल बनाया।

वाल्मीकि जयंती पर सपा कार्यालय व हल्दौर में भव्य कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष जाकिर हुसैन, पूर्व प्रदेश सचिव उमेश वाल्मीकि, पप्पू अखलाक, मदन सैनी, धनराज यादव सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जाकिर हुसैन ने भगवान वाल्मीकि जी के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में नहटौर विधानसभा क्षेत्र के हल्दौर स्थित मोहल्ला जमनावाला में महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व प्रदेश सचिव एवं नहटौर विधानसभा से संभावित सपा प्रत्याशी उमेश वाल्मीकि का वाल्मीकि समाज के लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर और पगड़ी बांधकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उमेश वाल्मीकि ने वाल्मीकि मंदिर में स्थापित भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा का पंचामृत स्नान कराते हुए विधिवत पूजन किया। फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया कडी सुरक्षा के साथ धूमधाम से निकाली गई शोभायात्रा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

वाल्मीकि प्रकटोत्सव बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ बनाया गया। इस अवसर पर हवन पूजन के बाद नगर के मुख्य मार्गो से वाल्मीकि जी की अखाड़ो, बैंड बाजों व मनोहारी झांकियों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। वाल्मिकी समाज के महिला और पुरुषों ने पूरे दिन उपवास रखें और अपने अपने घरों में पूजा पाठ की।

गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी यहां आदि कवि महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

शाम के समय वाल्मीकि जी की शोभायात्रा का प्रारम्भ पहाड़ी दरवाजा बाजार से बैंड बाजो, ढोल नगाड़ो व मनोहरी झांकियों के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा में सबसे आगे सुसज्जित दो घोड़ों की बग्गी पर आदि कवि बाल्मीकि जी की झांकी थी।

अखाड़े में पटेबाज अपने अपने हैरत अंगेज करतब दिखाते चल रहे थे। शोभा यात्रा थाने पर पहुंचने पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आकाश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉक्टर अंजनी कुमार चतुर्वेदी व थाना प्रभारी अवनीत मान ने भाजपा क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि, शेख शाहनबाज खलील, श्याम सुंदर लाल, महेश

चन्द, सूरज मच्छल, रोहन कुमार व मुकेश भौते सहित 12 गणमान्य लोगों को पगड़ी बांध कर व 101/ रुपए भेट कर सम्मानित किया।

शोभा यात्रा में अनूप बाल्मीकि, सूरज मचल, रोहन कुमार, अश्वनी वाल्मीकि, मनोज वाल्मीकि, भाजपा के कुँवर संजय, नगर अध्यक्ष पति सौरभ मित्तल, लवी मित्तल, महामंत्री सचिन शर्मा, पूर्व विधायक सतीश गौतम, रोहित रवि, सोहन सेनी, कय्यूम राइन, अभिषेक अग्रवाल, राजकुमार सैनी, रोहित बिश्नोई, बृज मोहन उर्फ बल्ली, बदर मुनीम, रूपेश पवार, सुजीत कुमार, धीरज कुमार, अरविद कुमार, मा श्याम सुंदर लाल, मुकेश वाल्मीकि, महेश उर्फ दारा वाल्मीकि एड, मा रनवीर सिंह, गोपीचंद, राजकुमार, अनिल वैद्य, आदि शामिल रहे।

शोभा यात्रा पहाड़ी दरवाजा से शुरू होकर मुख्य बाजार मार्ग से होते हुए मंडी मोलगंज व एम एम इंटर कॉलेज के पास से होकर वाल्मीकि मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी व थाना प्रभारी अवनीत मान पुलिस बल के साथ शोभायात्रा के साथ-साथ चल रहे थे।

एक दिन की डीएम और जिला प्रोबेशन अधिकारी बनीं छात्राएँ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अंतर्गत बुधवार को कलैक्ट्रेट सभागार में एक दिन की जिलाधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर शांति निकेतन वर्ल्ड स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा गार्गी को एक दिन की जिलाधिकारी और नेशनल पब्लिक इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा साधना को एक दिन की जिला प्रोबेशन अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार्यक्रम के दौरान दोनों छात्राओं ने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की जानकारी ली। एक दिन की डीएम गार्गी ने बालिकाओं की सुरक्षा और शिक्षा से संबंधित विषयों पर अधिकारियों से चर्चा की, वहीं एक दिन की डीपीओ साधना ने महिला सुरक्षा, जागरूकता और स्वावलंबन पर अपने विचार रखे।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य

बालिकाओं को सशक्त बनाना और उनमें नेतृत्व की भावना विकसित करना है। प्रशासनिक कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का यह अवसर उन्हें आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार ने कहा कि यह पहल बालिकाओं में प्रशासनिक सेवा के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें अपने सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर करने का माध्यम है। मिशन शक्ति अभियान का हर चरण महिलाओं के आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम है। इस अवसर पर महिला शक्ति केंद्र, बाल संरक्षण इकाई, महिला कल्याण विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों की छात्राएँ भी उपस्थित रहीं।

युवक-महिला मंगल दलों एवं पीआरडी जवानों ने किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वाधान महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वालम्बन के लिये 90 दिवसीय नारी मिशन शक्ति विशेष अभियान के पाँचवे चरण के तहत विभिन्न विकासखण्डों में युवक-महिला मंगल दलों एवं पीआरडी जवानों के सहयोग से जनजागरूकता कार्यक्रमों, नाटकों, रैलियों एवं गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

विश्तृत जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी इगलास कपिल कुमार शर्मा द्वारा ग्राम पंचायत विसाहुली, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी जवां राजदीप चौधरी द्वारा ग्राम पंचायत रायपुर और क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी खैर अनिल कुमार द्वारा कश्तूरबा गॉधी विद्यालय खैर में युवक-महिला मंगल दलों एवं पीआरडी जवानों सहयोग के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रमों, नाटकों, रैलियों एवं गोष्ठियों का आयोजन किया गया।

इसके साथ ही प्रत्येक विकास खण्ड में महिला स्वास्थ्य, साइबर क्राइम, लैंगिक दुर्व्यवहार, सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता हैल्पलाईन नं0-1090, महिला हैल्पलाईन 181, साइबर हैल्पलाईन 1930 के साथ ही महिला के सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओ-कन्या सुमंगला योजना, मातृत्वलाभ योजना, सुकन्यासमृद्धि योजना, बालविकास पुष्टाहार, एवं टीकाकरण कार्यकमों का व्यापक प्रचार-प्रसार युवक-महिला मंगल दलां एवं पीआरडी जवानो के सहयोग माध्यम से कराया जा रहा है।

सीएम सामूहिक विवाह योजना में मिलेगा एक लाख का लाभ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्रता की आय सीमा एवं देय धनराशि दोनों में वृद्धि की गई है। जिले को चालू वित्तीय वर्ष के लिए 802 जोड़ों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि नवीन शासनादेश के अनुसार अब प्रत्येक जोड़े पर कुल 1,00,000 (एक लाख रुपये) की धनराशि व्यय की जाएगी, जिसमें से 60,000 कन्या के खाते में, 25,000 की उपहार सामग्री, एवं 15,000 आयोजन व्यय के रूप में निर्धारित किए गए हैं।

सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अपना आवेदन ऑनलाइन पोर्टल पर जनसुविधा केंद्र, साइबर कैफे या निजी इंटरनेट केंद्र के माध्यम से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याण योजना है, जो समाज में आर्थिक सहयोग और सामाजिक समरसता को

बढ़ावा देती है।

पात्रता की मुख्य शर्तें

मुख्य विकास अधिकारी प्रखर ने बताया कि योजना का लाभ वही कन्याएं प्राप्त कर सकती हैं जो उत्तर प्रदेश की मूल निवासी हों।

जिनके परिवार की वार्षिक आय 3,00,000 से अधिक न हो। कन्या की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो। कन्या अविवाहित, विधवा या विधिवत तलाकशुदा हो।

अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों को जाति प्रमाण पत्र प्रश्तुत करना होगा। कन्या का बैंक खाता अनिवार्य है। निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग कन्या अथवा दिव्यांग अभिभावक की पुत्री को प्राथमिकता दी जाएगी।

महिला पशुचिकित्साधिकारियों को मिला सम्मान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ विभागीय कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रगति करने वाले 3 महिला अधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने सभी को

बधाई देते हुए कहा कि महिला अधिकारी अपनी लगन और निष्ठा से मिशन शक्ति अभियान की भावना को सशक्त रूप दे रही हैं।

डीएम संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह द्वारा पशुपालन विभाग की तीन महिला पशुचिकित्साधिकारियों डा० तनूजा पशुचिकित्साधिकारी पिलौना, डा० वर्षा सिंह पशुचिकित्साधिकारी भवीगढ़ और डा0 अफशां फिरदौस पशुचिकित्साधिकारी काजिमाबाद को प्रशश्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीवीओ ने बताया कि इन अधिकारियों को कृत्रिम गर्भाधान कार्य, भारत पशुधन एप पर समयबद्ध अपलोडिंग और सहभागिता योजनाओं के अंतर्गत गौवंश वितरण कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीवीओ डा0 दिवाकर त्रिपाठी एवं उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. प्रीती अरोरा भी उपस्थित रहीं।

सैकड़ों टन प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पात कराए नष्ट

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप नगर निगम अलीगढ़ द्वारा शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहे है नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की मौजूदगी में बुधवार को नगर निगम टीम ने ए टू ज़ेड प्लांट पर लगभग 30 ट्रक प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक उत्पादों का निश्तारण कराया। यह सभी उत्पाद बीते 19 सितंबर को रघुवीरपुरी क्षेत्र निवासी वैभव गुप्ता के स्वामित्व वाले तीन मंजिला गोदाम से सीज़ किए गए थे प्रतिबंधित प्लास्टिक का बाजार मूल्य लगभग 90 लाख रुपये आंका गया है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की निगरानी में नगर निगम की टीम ने 4 कैटल क्रेचर, 10 टिप्पर व 10 ट्रैक्टरों की मदद से जब्त प्लास्टिक उत्पादों की तौल कराते हुए ए टू ज़ेड प्लांट में नियमानुसार निश्तारण की कार्रवाई शुरू कराई। नगर आयुक्त ने स्वयं मौके पर मौजूद रहकर यह सुनिश्चित कराया कि कोई भी प्रतिबंधित उत्पाद पुनः उपयोग में न लाया जा सके। इस कार्रवाई को नगर निगम अलीगढ़ की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक से न केवल पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि यह नालों के अवरुद्ध होने, जलभराव और जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डालता है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम-2016 के तहत गोदाम स्वामी वैभव गुप्ता पर एक लाख रूपये का अर्थदंड लगाया गया है, साथ ही गोदाम की वीडियोग्राफी कराते हुए उसमें रखे समश्त प्रतिबंधित उत्पादों को नष्ट किया जा रहा है। निश्तारण की प्रक्रिया की निगरानी सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह के नेतृत्व में अधिशासी अभियंता अजय कुमार सक्सेना, पशु कल्याण अधिकारी डॉ राजेश कुमार वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक प्रकाश सिंह, रामजीलाल, खचेन्द्र सिंह, योगेंद्र यादव और विशन सिंह द्वारा की जा रही है।

नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की यह कार्रवाई आने वाले समय में नज़ीर बनेगी। अब जो भी व्यक्ति सिंगल यूज़ प्लास्टिक का निर्माण, बिक्री या उपयोग करेगा, उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अलीगढ़ को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए तीसरी नज़र से निगरानी की जा रही है।

संपादकीय

पेट्रोल पुराण : या इलाही ये माजरा क्या है?

विश्व के अधिकांश देशों में पेट्रोल डीज़ल की क़ीमतें भिन्न भिन्न हैं। प्रत्येक देशों में ईंधन रुपी इन तेलों की क़ीमतों का निर्धारण वहां के टैक्स दर, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय, क़ीमत, करेंसी एक्सचेंज रेट, रिफ़ाइनिंग लागत, स्थानीय मांग और सरकारी नीतियों के आधार पर होता है। इसके अतिरिक्त अधिक आयात शुल्क, वैट, और स्थानीय कर भी ईंधन की क़ीमत के निर्धारण के मुख्य कारक होते हैं। दुनिया के कई देश ऐसे भी हैं जहाँ देश की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने जैसे सड़क निर्माण, इनके रखरखाव व अन्य विकास सम्बन्धी योजनाओं के लिए ईंधन पर भारी टैक्स लगाया जाता है।

तेल की क़ीमतों के निर्धारण में तेल उत्पादक देशों से कच्चा तेल आयत करने का ख़र्च भी एक ख़ास वजह होती है। कच्चा तेल आयात करने वाले देशों को चूंकि डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। ऐसे में यदि किसी देश की अपनी मुद्रा, डॉलर के मुक़ाबले कमज़ोर है अथवा कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में बढ़ जाते हैं, तो ईंधन स्वभाविक रूप से महंगा हो जाता है। इसके अलावा अलग-अलग ग्रेड के स्वच्छ ईंधन बनाने में लगने वाली रिफ़ाइनिंग और वितरण की लागत भी तेल की क़ीमत में जुड़ जाती है।

मांग और आपूर्ति भी तेल क़ीमतों के निर्धारण का बड़ा कारक होती है। यदि किसी देश में ईंधन की मांग अधिक है, परन्तु इसकी आपूर्ति खपत के मुक़ाबले कम है, तो ईंधन की क़ीमतें बढ़ जाती हैं। जबकि कुछ देशों में पर्यावरण की रक्षा के लिए ख़ास क्लीन फ़्यूल नीतियाँ लागू की जाती हैं, जिससे उत्पादन, वितरण व रिफ़ाइनिंग में लागत बढ़ती है। प्रायः इन सभी कारणों की वजह से ही दुनिया के विभिन्न देशों में ईंधन की क़ीमतें अलग अलग होती हैं।

परन्तु आश्चर्य तब होता है जब कोई देश स्वयं कच्चा तेल आयात कर स्वयं ही उसकी रिफ़ाइनिंग कर अपने देश में अपनी जनता को तो ज़रुरत से अधिक महंगा तेल बेचे जबकि वही तेल दूसरे देश में निर्यात होने पर लगभग आधे मूल्य पर बिकता हो? जी हाँ यह हक़ीक़त है भारत के पड़ोसी सीमावर्ती देश भूटान की जहाँ पेट्रोल और डीज़ल का आयात मुख्य रूप से भारत से ही होता है गोया भूटान ईंधन के क्षेत्र में शत प्रतिशत भारत पर ही निर्भर है।

चूँकि भूटान में पेट्रोलियम उत्पादों के लिए स्थानीय कच्चे तेल के संसाधन या रिफ़ाइनरी नहीं हैं, इस वजह से 100 प्रतिशत रिफ़ाइंड पेट्रोल और डीज़ल भारत से ही आयातित किया जाता है। परन्तु भूटान में तेल की क़ीमतें भारत की वर्तमान औसत क़ीमत 103-105 प्रति लीटर से काफ़ी कम हैं। जबकि दोनों ही देशों के पंपों पर ज़्यादातर इंडियन ऑयल का ही ईंधन मिलता है।

भूटान में इन दिनों तेल का मूल्य भारतीय मुद्रा रुपये के अनुसार पेट्रोल लगभग ₹64.38 प्रति लीटर है जबकि डीज़ल का मूल्य लगभग 64.27 प्रति लीटर है। भूटान में ईंधन की क़ीमतों में कमी का सबसे मुख्य कारण यही है कि भूटान सरकार इन पर बहुत ही कम टैक्स लगाती है। दूसरी बात यह भी है कि भारत में पेट्रोल में 20% इथेनॉल (गन्ने के रस से प्राप्त होने वाला रसायन) मिलाना अब अनिवार्य हो गया है गोया भारत में E20 ईंधन मिलता है। परन्तु भूटान में बिना इथेनॉल के पेट्रोल उपलब्ध है। यानी भूटान में भारत की तुलना में पेट्रोल शुद्ध भी है और क़ीमतें भी अलग हैं। यही वजह है कि सीमावर्ती भारतीय अपने वाहनों में तेल डलवाने भूटान चले जाते हैं।

अब रहा सवाल पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का तो दुनिया के कई देशों में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जाता है। ऐसा करने का मक़सद पर्यावरण पर पड़ने वाले दुषप्रभाव के साथ ही तेल की खपत कम करना बताया जा रहा है। ब्राज़ील, अमेरिका, भारत, और अनेक यूरोपीय देश ऐसे हैं जहाँ पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जाता है। भारत सरकार ने तो पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा कर लिया है और आज यही E20 ईंधन देश के सभी पेट्रोल पंप्स पर उपलब्ध है।

अधिकतर पेट्रोल पंप्स पर इस बात की सार्वजनिक सूचना नहीं होती कि उपभोक्ताओं को दिया जा रहा पेट्रोल E10 है या E20, इस जानकारी के अभाव में उपभोक्ता अपने वाहन में E20 भरवा लेते हैं और यही लोग बाद में इंजन पर संभावित दुष्प्रभाव को भी झेलते हैं। पर्यावरण दुष्प्रभाव व तेल की खपत कम करने की ग़रज़ से भले ही भारत सहित दुनिया के अनेक देश पेट्रोल में इथेनॉल क्यों न मिला रहे हों परन्तु इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के प्रयोग से इंजन व वाहन के अन्य पुर्ज़ों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से भी इंकार नहीं किया जा सकता। उदाहरण के तौर पर E20 ईंधन प्रयोग से फ़्यूल पंप्स, इंजेक्टर्स, गास्केट व रबर पार्ट्स पर असर तो पड़ता ही है साथ ही माइलेज में कमी व इंजन के निष्पादन (परफ़ार्मेंस) में गिरावट भी आ सकती है। वाहन निर्माता कंपनियां भी E20 के प्रयोग से वाहन को हुए नुक़्सान को वारंटी के अंतर्गत स्वीकार नहीं करतीं न ही इस तरह की कोई जानकारी या सूचना सार्वजनिक रूप से पेट्रोल पंप पर दी जाती है।

इन हालात में भारतीय ईंधन उपभोक्ताओं का यह सवाल पूरी तरह जायज़ है कि आख़िर सरकार की यह कैसी नीति है जिसके तहत भारत से निर्यातित पेट्रोल डीज़ल पड़ोसी देश भूटान में तो अत्याधिक सस्ता यानी लगभग 64 रूपये प्रति लीटर के दर पर उपलब्ध है जबकि वही तेल निर्यातक देश भारत के लोगों को 103 रूपये से लेकर 105 रूपये प्रति लीटर तक बेचा जा रहा है? साथ ही भूटान में तो भारत 100 % शुद्ध तेल भेजता है जबकि भारत में 20% इथेनॉल मिश्रित कर तेल बेचा जा रहा है।

सवाल यह भी है कि क्या प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश भूटान की सरकार को अपने देश के पर्यावरण की फ़िक्र नहीं? और एक सवाल यह भी कि अनेक प्रकार के करों से राहत देकर जिस तरह भूटान की सरकार भूटान वासियों को तेल की क़ीमत में राहत दे रही है भारत सरकार भी ऐसा क्यों नहीं करती? भारत के इस निराले 'पेट्रोल पुराण' को लेकर यह सवाल भी ज़रूरी है कि क्या देश के वाहनों में ईंधन में 20% इथेनॉल मिश्रण के चलते आने वाली दिक़्क़तों व इंजन संबंधी ख़राबियों की फ़िक्र सरकार को नहीं? या फिर महंगा तेल और मिलावटी तेल का मक़सद तेल कंपनियों, तेल व्यवसायियों को लाभ पहुँचाने के साथ साथ वाहन निर्माता कंपनियों को भी फ़ायदा पहुँचाना और भारतीय वाहन धारकों की जेबें ढीली करना है? इसीलिये आज पूरा देश इस 'पेट्रोल पुराण' पर यह सवाल पूछ रहा है कि या इलाही ये माजरा क्या है?

देश के लिए राहुल गांधी अपना काम कर रहे हैं

अजीत द्विवेदी

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के असली सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी क्या कुछ ऐसा कर रहे हैं, जो उनको नहीं करना चाहिए? यह बड़ा सवाल है क्योंकि वे जो कुछ भी करते हैं उस पर सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से सवाल उठाया जाता है और सोशल मीडिया में सक्रिय भाजपा के इकोसिस्टम व कथित पत्रकारों की ओर से भी सवाल उठाया जाता है। वे युवाओं की बात करते हैं तो कहा जाता है कि युवाओं को उकसा रहे हैं।

वे लद्दाख के आंदोलन का समर्थन करते हैं तो कहा जाता है कि देश तोड़ने वालों के साथ हैं। विदेश में जाकर भाषण देते हैं और मौजूदा सरकार की कमियां गिनाते हैं तो उन पर विदेश में जाकर देश विरोधी काम करने का आरोप लगाया जाता है। वे वोट चोरी के आरोप लगाते हैं और मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हैं तो कहा जाता है कि वे संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। वे क्रोनी कैपिटलिज्म का मुद्दा उठाते हैं तो कहा जाता है कि वे देश में आर्थिक तरक्की नहीं चाहते हैं और देश को पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं इसलिए उद्योगपतियों पर सवाल उठा रहे हैं।

आदि, आदि। वास्तविकता यह है कि इनमें से कोई भी काम ऐसा नहीं है, जो मुख्य विपक्ष पार्टी का नेता होने और लोकसभा में नेता विपक्ष होने के नाते उनको नहीं करना चाहिए। वे वही काम कर रहे हैं, जो करने की जिम्मेदारी उनको देश के नागरिकों ने दी है। ध्यान रहे देश के मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं।

उन्होंने 2014 और 2019 में कमजोर विपक्ष चुना और मजबूत सरकार चुनी। लेकिन 2024 में कमजोर सरकार और मजबूत विपक्ष चुना। देश के सौ करोड़ मतदाताओं के जनादेश से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तो राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं। जैसे प्रधानमंत्री जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी निभा रहे हैं वैसे ही राहुल गांधी भी मतदाताओं द्वारा दी गई जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हां, यह जरूर है कि वे इस जिम्मेदारी को और बेहतर ढंग से निभा सकते थे। उनके पास अब 21 साल का राजनीतिक और विधायी कामकाज का अनुभव है।

इसमें से 10 साल उनकी पार्टी सरकार में रही तो निश्चित रूप से सरकार के कामकाज भी उनकी भूमिका रही। सो, वे सरकारी कामकाज के तौर तरीकों से परिचित हैं तो 11 साल की विपक्ष की राजनीति करके वे विपक्ष की भूमिका से भी बखूबी परिचित हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को एक मजबूत विपक्ष के तौर पर काम करते देखा है। उन्हें यह जरूर सोचना चाहिए कि क्या वे उस तरह से विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं, जैसे भाजपा ने 2004 से 2014 के बीच निभाई थी? विपक्ष की भूमिका से आशय संसद के अंदर के कामकाज से नहीं है। वहां तो कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां भी वैसे ही संसद स्थगित कर रही हैं, हंगामे और नारेबाजी कर रही हैं, जैसे भाजपा करती थी।

लेकिन संसद के बाहर और मीडिया स्पेस में जिस तरह से भाजपा ने काम किया वह विपक्ष की टेक्स्टबुक भूमिका थी। कांग्रेस के सरकार में होने के बावजूद भाजपा ने कानून व्यवस्था से लेकर भ्रष्टाचार और महंगाई तक अपना नैरेटिव बनाया और कांग्रेस सारे समय उसका जवाब देती रही। इसके उलट आज जब राहुल गांधी और कांग्रेस विपक्ष में हैं तब भी भाजपा और सरकार ही नैरेटिव बना रहे हैं और कांग्रेस उनका जवाब दे रही है। यानी विपक्ष में होकर भी कांग्रेस रिसीविंग मोड में है। यह भाजपा के नैरेटिव की ताकत है, उसकी होशियारी, अति सक्रियता और संसाधनों की बहुतायत है या कांग्रेस की कमजोरी है यह अलग बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पिछले 11 साल में एकाध मौकों को छोड़ दें तो कांग्रेस कभी भी सरकार को घेरने, उसे बैकफुट पर लाने और उसको जवाबदेह बनाने वाले नैरेटिव के सेंटर में नहीं रही। ज्यादातर मौकों पर अराजनीतिक समूहों ने सरकार को जवाबदेह बनाया।

कांग्रेस को इस पर विचार करने की जरुरत है कि आखिर वह क्यों बहुत प्रभावी विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रही है। उसे इस पर भी सोचना चाहिए कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैसे लगातार एंटी इन्कम्बैंसी को कम करने या बढने नहीं देने के लिए काम कर रहे हैं।

बहरहाल, विषयांतर हो रहा है लेकिन मूल बात यह है कि राहुल गांधी वही काम कर रहे हैं, जो देश के नेता प्रतिपक्ष के नाते उनको करना चाहिए। राहुल गांधी अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और उसकी निष्ठा संदिग्ध बता रहे हैं तो वे ऐसा करने वाले पहले नेता प्रतिपक्ष नहीं हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसके नेता भी चुनाव आयोग पर, चुनाव प्रक्रिया पर और ईवीएम पर सवाल उठाते रहे हैं। लालकृष्ण आडवाणी ने ईवीएम पर सवाल उठाए थे और उनके करीबी जीवीएल नरसिंहराव ने इस पर किताब लिखी थी। बाद में जीवीएल को राज्यसभा भेजा गया था।

उससे भी बहुत पहले जब बैलेट से चुनाव होता था आडवाणी और दूसरे विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था इंदिरा गांधी ने बैलेट पर ठप्पा लगाने वाली स्याही रूस से मंगाई है, जो मिट जाती है। सो, आज राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में और मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ कर रहा है तो यह विपक्ष के नेता का स्वाभाविक आरोप है।

ऐसे ही राहुल गांधी जब 'जेन जी' यानी 13 साल से लेकर 28 साल तक के युवाओं की बात करते हैं और कहते हैं कि उनको वोट चोरी की असलियत का यकीन हो गया तो वे बरदाश्त नहीं करेंगे। इस पर भाजपा कह रही है कि राहुल गांधी युवाओं को नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी तख्तापलट के लिए उकसा रहे हैं।

लेकिन ऐसा नहीं है कि पहले विपक्षी नेताओं ने इस तरह की बात नहीं की है या तख्तापलट की अपील नहीं की है। तमाम समाजवादी नेता आज भी राममनोहर लोहिया की इस बात को दोहराते हैं कि, जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करतीं। यहां तो लोहिया साफ साफ लोगों को बगावत के लिए उकसाते दिख रहे हैं लेकिन उनके इस बयान को स्वाभाविक लोकतांत्रिक भावना के तौर पर देखा गया।

ऐसे ही जयप्रकाश नारायण ने जब सेना और पुलिस से अपील की थी कि वे सरकार के साथ असहयोग करें तो तब की कांग्रेस सरकार ने यही कहा था कि वे सेना और पुलिस को बगावत के लिए उकसा रहे हैं। लेकिन तब से लेकर आज तक यही माना जाता है कि जेपी लोकतंत्र की रक्षा कर रहे थे। सो, अगर डॉक्टर लोहिया और जेपी गलत नहीं थे तो राहुल कैसे गलत हैं? जहां तक विदेश जाकर सरकार के खिलाफ बोलने का सवाल है तो इसका भी लंबा इतिहास रहा है। खुद प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विदेशी धरती पर जाकर अपने से पहले वाली सरकारों के कामकाज की खूब आलोचना की। एक बार तो वे भवावेश में यहां तक कह गए थे कि 2014 से पहले लोगों को शर्म आती थी कि कहां से भारत में पैदा हो गए। यह बात मोदी ने विदेश में ही कही थी।

उससे बहुत पहले जब संविधान के प्रावधानों का इश्तेमाल करके इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी तब सुब्रह्मण्यम स्वामी भी विदेश जाकर भारत सरकार के खिलाफ समर्थन जुटा रहे थे तो जेल में बंद जॉर्ज फर्नांडीज की पत्नी लैला कबीर भी विदेश जाकर उनकी रिहाई का आंदोलन चला रही थीं। सो, विदेश जाकर अपने देश की सरकार के कामकाज की आलोचना करना देश का अपमान नहीं होता है।

अब रही बात जन आंदोलनों का समर्थन करने की तो यह सबसे हैरान करने वाली बात है कि आंदोलनों से बनी और दशकों तक लगातार विपक्ष में रह कर आंदोलन खड़ा करने वाली भारतीय जनसंघ और भाजपा के नेता कैसे आंदोलन के समर्थन को देश विरोध बता सकते हैं? राहुल ने किसान आंदोलन का समर्थन किया या सीएए के खिलाफ हुए आंदोलन का समर्थन किया या लद्दाख के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

बिहार : कौन मारेगा बाजी, कौन रहेगा फिसड्डी ?

कुमार समीर

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दल फेंटा कसना शुरू कर दिए हैं। इनके रणनीतिकार जमीनी हकीकत के आधार पर विधानसभा वार प्रत्याशियों के चयन प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं । वहीं इन दलों में उथल-पुथल भी दिखना शुरू हो गया है। मसलन , जिसका टिकट कट रहा है वह अपने दल-बल के साथ दूसरी पार्टी की तरफ रुख कर रहा है। कमोबेश हर राजनीतिक दल में इस तरह का नजारा देखने को मिल रहा है।

जहां तक बिहार का सवाल है, यहां इस बार 20 साल से बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार, युवा राजद नेता तेजस्वी यादव और पढ़े लिखे चुनावी रणनीतिकार के रूप में मशहूर जनसुराज नेता प्रशांत किशोर जैसे तीन प्रमुख चेहरे चुनाव मैदान में है। इन पर ही सबकी निगाहें टिकी हैं। यह चुनाव तीनों नेताओं के लिए एक अग्निपरीक्षा है। उनके प्रदर्शन से न सिर्फ उनकी सियासी हैसियत तय होगी बल्कि बिहार की राजनीति को भी नई दिशा मिल सकती है।

नीतीश कुमार लगातार 20 साल से बिहार की राजनीति में प्रमुख चेहरा बने हुए हैं तो तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' ने ग्रामीण इलाकों में युवाओं के बीच नई चर्चा पैदा की है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार विधानसभा चुनाव में उतरेगी और इसने एक साल पहले से ही चुनावी तैयारियां शुरू कर दी थीं। होमवर्क के मामले में जनसुराज आगे दिखाई दे रही है लेकिन हकीकत में परिणाम को अपने पक्ष में करने में कौन सफल होता है, यह अहम और देखने वाली बात है।

सबसे पहले नीतीश कुमार व उनकी पार्टी जदयू की बात करते हैं तो उनके लिए यह अग्निपरीक्षा से कम नहीं है।

4 वर्षीय नीतीश कुमार करीब 20 साल से बिहार की सत्ता में हैं। एक समय उन्हें विकास और सुशासन के लिए 'सुशासन बाबू' कहा जाता था, लेकिन अपनी बार-बार बदलती राजनीतिक साझेदारियों की वजह से उनके इमेज में डेंट लगा है और इसका असर कितना व्यापक होता है, यह देखने वाली बात होगी।

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और उनकी तबीयत को लेकर उठे सवालों ने लोगों के मन में शंका पैदा की है कि क्या नीतीश अब भी मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल पाएंगे? हालांकि फिलहाल बीजेपी ने उन्हें ही गठबंधन का चेहरा बनाया है। ऐसे में राजनीतिक गलियारे में सवाल यह भी उठता रहा है कि क्या नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेगें या फिर यह चुनाव उनके लंबे राजनीतिक करियर का अखिरी पड़ाव साबित होगा?

वहीं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता तेजस्वी भी पूरे दमखम के साथ चुनावी मैदान में उतरने को तैयार हैं। हालांकि वह कितना कर पाएंगे कमाल यह देखने वाली बात होगी? 35 वर्षीय तेजस्वी यादव के पक्ष में यह बात है कि वह राजद के संस्थापक और पूर्व रेल मंत्री तथा बिहार के मुख्य मंत्री रहे लालू प्रसाद यादव के बेटे हैं। 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में राजद 144 में से 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी लेकिन कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के कारण तेजस्वी सरकार नहीं बना सके।

पिछले कुछ सालों में उन्होंने अकेले ही पार्टी की कमान संभाली है, क्योंकि उनके पिता लालू यादव बीमार चल रहे हैं, उतने एक्टिव नहीं रह पा रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद अपने पुराने अंदाज में लालू प्रसाद यादव का बयान आया कि चुनाव 6 और 11 को होने जा रहा है लेकिन हकीकत है कि चुनाव बाद नीतीश और एनडीए दोनों नौ-दो ग्यारह हो जाएंगे। इसमें दो राय नहीं है कि भाजपा के सामने कई चुनौतियां है। इन चुनौतियों से निपटने में सफल हो पायी तो ही बेड़ा पार के बारे में सोचा जा सकता है।

गौरतलब है कि बिहार में एनडीए में भाजपा-जदयू के अलावा तीन और पार्टियां भी हैं- लोजपा (रामविलास), हिंदुश्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो)। भाजपा गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है और सीटों के तालमेल में सभी सहयोगियों को संतुष्ट करना और जदयू की महत्वाकांक्षा को सम्मान देना पार्टी के सामने बहुत बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

अभी तक सत्ताधारी गठबंधन में सीटों पर तालमेल को लेकर चर्चा जारी है और इसके साथ ही एंटी-इंकंबेंसी से निपटने की प्राथमिक जिम्मेदारी का सामना भी उसे ही करना है। क्योंकि, केंद्र से लेकर प्रदेश तक में वह सबसे बड़ी पार्टी है। अगर पार्टी विधायक के प्रति एंटी-इंकंबेंसी से निपटने के लिए नए चेहरों पर दांव लगाती है तो ऐसे नेताओं का विपक्षी दलों के पाले में जाने का डर भी बना हुआ है, जो कड़े संघर्ष की स्थिति में नुकसान पहुंचा सकते हैं। भाजपा 100 सीटों के आसपास लड़ना चाहती है और पार्टी के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के लिए सहयोगियों के दबाव को झेलना आसान नहीं है। लेकिन इस कड़ी को साधने में वह जुटे हैं। देखने वाली बात होगी कि इसमें वह कितना सफल हो पाते हैं।

वहीं यह भी बात सच है कि बिहार में भाजपा प्रदेश श्तर पर अपना कोई ऐसा चेहरा नहीं खड़ा कर पाई है, जो नीतीश कुमार का विकल्प दे सके। नतीजा ये है कि आज पार्टी इसकी बहुत ज्यादा खामियाजा भुगत रही है और उसके सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही बिहार चुनाव लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

नीतीश के स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की आशंकाएं मौजूद हैं. हालांकि, वह पांचवीं बार भी कुर्सी पर नजरें बिठाए हुए हैं। भाजपा के सामने चुनौती ये है कि नीतीश कुमार के भरोसे रहे बिना वह रह भी नहीं सकती, क्योंकि केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार की स्थिरता भी जदयू के 12 सांसदों के भरोसे है। ऐसे में नीतीश कुमार पर निर्भर रहकर चुनाव मैदान में उतरना भाजपा के लिए दूसरी बहुत बड़ी चुनौती है।

वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान यूं तो खुद को पीएम मोदी का हनुमान कहते हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा किसी से छिपी नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत सफलता के साथ लोजपा ने जिस तरह से पांच सीटें जीतीं, उससे उनका हौसला और भी सातवें आसमान पर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने अपनी पार्टी के लिए 40 सीटें मांगी हैं, जबकि उन्हें भाजपा की ओर से 25 सीटों का ऑफर दिया गया है। चर्चा ये भी है कि अधिकतम 30 सीटों पर भी राजी करवाने की कोशिश की जा रही है लेकिन वह मान नहीं रहे हैं। उनके द्वारा लगातार कहा जा रहा है कि सम्मानजनक सीटें नहीं मिली तो वह गठबंधन से हटकर भी चुनाव लड़ सकते है। चर्चा है कि चिराग पासवान की बातचीत जनसुराज के प्रशांत किशोर से भी हो रही है। याद रखना होगा कि 2020 के चुनाव में चिराग पासवान की वजह से सीटें घटने का रोना जदयू आज तक रो रही है। ऐसे में चिराग को राजी करना भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है क्योंकि, सभी सहयोगियों को 243 सीटों में ही समायोजित करना है।

भाजपा के सामने चौथी बड़ी चुनौती चुनाव रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी है। हालांकि, ऊपरी श्तर पर दोनों ही गठबंधन बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर फैक्टर के प्रभावी होने की संभावनाएं खारिज कर रहे हैं। लेकिन, पीके ने जिस तरह से बदलाव का अभियान छेड़ रखा है, उसका असर युवाओं के एक बड़े वर्ग में देखा जा रहा है। अगर वे चुनावों पर बहुत ज्यादा असर नहीं भी डाल पाए, तो कड़े मुकाबले में उनके उम्मीदवार की मौजूदगी ही चुनाव का गुणा-गणित बदल सकता है।

अगर वह हर विधानसभा क्षेत्र में 'वोट कटवा' भी साबित हुए तो उनकी पार्टी 2025 में 1995 के बाहुबली आनन्द मोहन की बीपीपा साबित हो सकती है, जिनकी वजह से लालू प्रसाद यादव की सत्ता कायम रह गई थी।

भाजपा और एनडीए गठबंधन की सबसे बड़ी चुनौती निःसंदेह राजद और लालू प्रसाद यादव आज भी बने हुए हैं। 2020 में भी भाजपा दूसरे नंबर पर ही रही थी और तेजस्वी-लालू की अगुवाई में राजद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

लालू के नाम पर महागठबंधन का मुसलमान-यादव (माई) समीकरण बिहार की राजनीति में आज भी सबसे ज्यादा मजबूत है। कांग्रेस, वामपंथी पार्टी जैसी इसकी सहयोगी पार्टियों का जनाधार राजद के सहयोग से काफी प्रभावित है। बदलाव सिर्फ इतना हुआ है कि इसके मुस्लिम वोट बैंक में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और ओवैसी की एआईएमआईएम सेंध लगाने की उम्मीद में है। 2020 में ओवैसी को इसमें सफलता भी मिली थी। अगर ये दोनों पार्टियां मुसलमानों में लालू प्रसाद यादव के तिलिस्म को नहीं तोड़ पाए तो भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा-जदयू की अगुवाई वाले एनडीए और राजद की अगुवाई वाले महागठबंधन के बीच है। चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज इसे त्रिकोणीय मुकाबले में तब्दील करने की भरपूर कोशिश में है वहीं चौथी शक्ति हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम है, जिसे सीमांचल के युवा मुसलमानों में प्रभाव को देखते हुए पूरी तरह से नजरअंदाज करना भी आसान नहीं होगा।

ऐसे में चुनावी नतीजों से ही तय होगा सत्ता की कुर्सी पर कौन काबिज होने जा रहा है। नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर इन तीनों नेताओं की राह आसान नहीं है। नीतीश कुमार के लिए यह सम्मान बचाने की लड़ाई है, तेजस्वी यादव के लिए भविष्य की परीक्षा है और प्रशांत किशोर के लिए यह पहली बड़ी परीक्षा है। चुनाव के नतीजे यह तय करेंगे कि बिहार में पुराना नेतृत्व कायम रहता है या एक नया राजनीतिक चेहरा उभरता है।

उतरप्रदेश और बिहार में नींव से खिसकते अनेक राजनीतिक दल

कांतिलाल मांडोत

राजनीतिक दल चुनाव लड़ने के लिए बनाए जाते जाते हैं। उसका आधार एक विचार होता है। उसके लिए संगठ बनता है। जो लोगों को उस विचार के लिए प्रेरित करता है। यही नियम है। इसे उत्तर प्रदेश के चुनाव मेंभी ध्वस्त होते देखा गया था। हर दल अपनी नींव से खिसक गए हैं। मानो उसमें भूकंप आ गया हो। इसे हर पल में घट रही घटनाओं के उदाहरण से समझा जा सकता है।

पहले उस दल को देखना उचित ही होगा जो उत्तर प्रदेश में पांच साल से शासन में थ। वह सपा है। यह पार्टी सितंबर, 2016 से राजनीतिक भूकंप के झटके लगातार झेल रही है। वह झटका जारी है। जिसने पार्टी बनाई वह बेगाने शादी में अब्दुल्ला दीवाना की तरह हो गए हैं। वे मुलायम सिंह थे। जो कब क्या बयान देकर विवाद छेड़ देते, इसे वे भी नहीं जानते थे। समाजवादी ड्रामा तीन महीने तक चला। बाप-बेटे के बीच विवादों की स्क्रिप्ट लिखी गई। लेकिन इतने समय के विरोधाभास के बाद आखिर जीत तो अखिलेश की हुई। कौन माता पिता इस दुनिया मे अपनी संतान से हारते हुए देखना चाहते है। हर अभिभावकों के मन मे एक ही इच्छा रहती है कि मैं भले ही हार जाऊ, लेकिन मेरी संतान हर कदम पर जीत की खुशियां मनाए और अंततः वही हुआ।

मुलायम सिंह कोर्ट से हार गए। मान सकते हैं कि वे सदमे बहुत भारी थे। वैसे ही जैसे घर के ढेर हो जाने घर मालिक होता है। सपा के दूसरे कद्दावर नेता शिवपाल बोल पड़े थे कि चुनाव बाद नया दल बनाएंगे। इस तरह की उथल-पुथल ने अखिलेश यादव का मनोबल तोड़ दिया और वे उस कांग्रेस की गोद में जा बैठे। जोकि कांग्रेस का उतरप्रदेश में जनाधार नही था। अगर वो जिंदा नही हुई और जिंदा हो जाती तो सपा को खा जाती।

बसपा का हाल उससे भी बुरा था। वह कायदे से राजनीतिक दल बनने के राश्ते पर चली ही नहीं। वह जाति और मजहब के गठजोड़ की उपज है। बीते त 12 सालों से बसपा का घर उजड़ गया है। उसके ज्यादातर नेता भाजपा में जा चुके हैं। उनमें वे भी हैं जो बसपा के जन्मजात नेता रह थे।

कुछ सालों पहले की बसपा को आज पहचानना कठिन है। हाथी की चाल मन्द पड़ चली है। मायावती की कोई राजनीतिक हलचल दिखाई नही देती है। कोई भी राजनीतिक दल दो बातों से पहचाना जाता है। विचार और नेतृत्व से। बसपा इन दोनों रूपों में भी अपनी पहचान खो चुकी है। वह खुद को खोज रही है। इस भटक़ाव में वह उत्तर प्रदेश में दलित-मुस्लिम गठजोड़ का ताना-बाना बुन रही होगी।

ध्रुवीकरण पर उसकी आस टिकी है। योगी आदित्यनाथ के आने के बाद पूर्व पार्टियां सत्ता से बंधी हुई थी। आज के वर्तमान में उनके शासन को याद तक नही करते है। जंगलराज के तमगे से उपजी ये पार्टियां लोगो पर सितम ढाहने में अपना वर्चस्व स्थापित करचुकी थी। इनके शासनकाल में लखनऊ गुंडा और माफियो की शरणस्थली बन चुका था।

कह सकते हैं कि2017 के पहले उत्तर प्रदेश गहरे राजनीतिक संक्रमण के दौर में था। चुनाव ने उसे तेज कर दिया है। इसके साफ-साफ दो कारण थे। पहला यह कि विधानसभा का चुनाव पिछले परिणाम से उभरी राजनीति के उस चुनाव में हर दल ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। भारी जोखिम मोल ले ली थी। दूसरा यह कि चुनाव परिणाम से हर दल बदल जाएगा। लेकिन हर दल में परकाया प्रवेश हो चुका था।

इर्द-गिर्द नहीं हो रहा था। 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम से जो हश्तक्षेप उत्तर प्रदेश की राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने किया, वही प्रमुख आधार हो गया था। दूसरा यह कि चुनाव उत्तर प्रदेश की सत्ता कौन संभाले, इसके लिए हो रहा था। पर यह 2019 के लोकसभा चुनाव का प्रहसन भी हो गया। इससे कोई दल बचा नहीं था।

भाजपा भी नहीं। जितना असंतोष भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं मेंउस समय था उतना कभी नहीं था। क्योकि भाजपा की 2014 के पहले शुरुआती दौर था। बगावत की आवाज चारों ओर से उठ रही थी। उसे शांत करने के लिए खून पसीना एक किया जा रहा था। हर चुनाव में थोड़ा बहुत असंतोष तो होता ही है। उस बार का अकल्पनीय था। इसके कारण बहुत साफ थे।

भाजपा में शामिल होने वालों की संख्या हर रिकार्ड तोड़ चुकी थी। कांग्रेस, सपा और बसपा से आए नेताओं को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया था। उनकी संख्या 155 से ज्यादा थी। यानी इतने क्षेत्रों में भाजपा नेता अवसर से वंचित हो गए थे।

वे बड़ी उम्मीद में थे। तब भाजपा का उम्मीदवार होना ही चुनाव जीतने की पक्की गारंटी मानी जा रही थी। भाजपा में आए हुए समूह मेंकोई गीले शिकवे नही थे। अक्सर चुनाव में परिणाम के बाद भाजपा अपनी समीक्षा में पाती रही है कि टिकट का बंटवारा ठीक नहीं हुआ था।

उससे सबक लेकर कोई कदम भाजपा नेतृत्व पहले नहीं उठाता था। तब अमित शाह ने जो उम्मीदवार चयन की प्रणाली अपनाई वह हश्तक्षेप से अछूती रही थी। उन नेताओं की नहीं चली जो टिकट की बंदरबाट के लिए बदनाम हुए। इसमें वे भी कुछ नहीं कर सके जो नैतिक सत्ता का दबाव बनाकर हश्तक्षेप कर लेते थे।

उतरप्रदेश में कांग्रेस सालों से हासिए पर है। अपने पुनरोदय के लिए हाथ-पांव मार रही थी। राहुल गांधी की खाट यात्रा उसी कड़ी में थी। अगर वही राह कांग्रेस ने ली होती तो वह अपने बलबूते पर चुनाव लड़ती।

उसने बिहार के अनुभव से फायदा इसमें ही देखा कि सपा की सहयोगी पार्टी बन जाए। इसी तरह अजीत सिंह का लोकदल कहीं आसरे की खोज में था। उसे सहयोगी बनाने से सपा हिचक गई। क्योंकि अफसरों ने अखिलेश यादव को बताया कि अजीत सिंह के आने से -प्रतिक्रिया में मुसलमान बसपा में चले जाएंगे।

हर दल की राजनीति पर सरसरी निगाह डालने से कुछ निष्कर्ष निकलते हैं। एक यह है कि इस चुनाव में हर दल ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया था। भारी जोखिम मोल ले ली थी। दूसरा यह कि चुनाव परिणाम से हर दल बदल जाएगा। वह नहीं रहेगा जो होता था और है। क्योंकि हर दल में परकाया प्रवेश हो चुका था।

तीसरा यह कि हर दल में पीढ़ी और पद परिवर्तन का दृश्य है। नई पीढ़ी नेतृत्व संभालने वाली रही। चौथा यह कि हर दल की नजर युवा मतदाता पर थी। युवा के नखरे पर राजनीति का कदम ताल तय होने जा रहा था। बिहार की यही हालत है। लालू की राजद कई वर्षों से राजनीतिक गलियारों से बाहर है। नीतीश कुमार के गठबंधन के कारण तेजस्वी कुछ समय के लिए उपमुख्यमंत्री बन गए थे। जेडीयू कई वर्षों से गठबंधन की सरकार चला रही है। बिहार में कई प्रादेशिक दल है जो जशिये पर धकेल दिए गए है।

उनका नाम राजनैतिक मंच पर चुनाव के समय ही सुनने को मिलता है। उतरप्रदेश में समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने भूल की थी, वही भूल तेजस्वी यादव कांग्रेस को साथ लेकर कर रहे है। बिहार की राजनीति में तीस वर्षों से सत्ता से बाहर कांग्रेस का भविष्य एक सर्वे पर भरोसा करें तो कांग्रेस के पास आज भी बिहार में जनाधार नही है।

नीतीश कुमार में चुनाव से पूर्व 75 लाख महिलाओं के खाते में दस दस हजार ट्रांसफर किये है। उससे और अधिक रकम ऋण के तौर पर देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश ने घोषणा की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

मिर्जापुर में सांप से भिड़ा बादल, परिवार को बचाने के लिए कोबरा से लड़ते हुए वफादार कुत्ते ने गवां दी जान

मिर्जापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक परिवार को बचाने के लिए कुत्ते ने अपनी जान की बाजी लगा दी। घर में जा रहे सांप से भिड़ गया। उसने सांप को मार डाला लेकिन सांप से डसने से कुत्ता भी मर गया। मिर्जापुर जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिले के छानबे क्षेत्र के बबुरा गांव में सोमवार की शाम घर में घुसे कोबरा सांप से वफादार कुत्ता बादल भिड़ गया। कुत्ते के मालिक राणा सिंह ने बताया कि शाम को कोबरा सांप उनके चहार दीवारी के अंदर पहुंच गया।

डेढ़ माह की मासूम को खा गया जंगली जानवर, खेत में मिला सिर और हाथ

आगरा, एजेंसी। आगरा के बरहन थाना क्षेत्र के गांव नगला बरी में बाजरे की कटाई के दौरान मजदूर महिला ने अपनी डेढ़ माह की बच्ची को खेत में लिटा दिया। तभी एक जंगली जानवर बच्ची को उठा ले गया। बच्ची की तलाश करने पर उसके सिर और हाथ जंगल में पड़े मिले। नगला बरी निवासी सुबोध कुमार की पत्नी अपनी सात वर्षीय और डेढ़ माह की बेटी को खेत में लिटाकर बाजरे कटाई कर रही थीं। परिजन के अचानक कोई जंगली जानकर आया और डेढ़ माह की बच्ची को उठा ले गया। कुछ देर बाद देखने पर बेटी नहीं मिली को चारों तरफ खोजबीन की गई। तलाश करने पर बेटी का सिर और हाथ जंगल की तरफ पड़े मिले। परिजनों ने सिर और हाथ दफन कर दिए। घटना से गांव में दहशत है।

पशु व्यापारी की सड़क हादसे में मौत, साथी घायल

अलीगढ़, एजेंसी। कस्बे के व्यापारी मोहल्ला निवासी एक पशु व्यापारी की सड़क हादसे में मौत हो गई है। साथी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार तौफीक (40) पुत्र रफीक पशुओं का व्यापार करते थे। मंगलवार दोपहर वह अपने साथी बबलू के साथ बाइक से गांव बमनई से मुरसान आ रहे थे। रास्ते में गांव अमरपुर के निकट एक टेंपो ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तौफीक की मौत हो गई, जबकि बबलू घायल हो गया। लोगों ने एंबुलेंस की मदद से उसे सीएचसी में भर्ती कराया, वहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। मुरसान के पूर्व चेयरमैन गिर्राज किशोर शर्मा भी पहुंच गए और पीड़ित परिवार के लोगों से बातचीत की। पुलिस ने टेंपो को कब्जे में ले लिया है। मुरसान कोतवाली प्रभारी ममता सिंह का कहना है कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मंदिर में घुसकर पुजारी को पीटा मारपीट, वीडियो वायरल

अलीगढ़, एजेंसी। शहर के प्रसिद्ध बौहरे वाली देवी मंदिर में रविवार रात कुछ लोगों ने मंदिर के पुजारी को बेल्ट और लात-घूंसों से पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मंदिर पुजारी मुकेश चतुर्वेदी ने बताया कि कि वह बौहरे वाली देवी मंदिर परिसर में सोमवार की रात को बैठे हुए थे। तभी कुछ युवक हाथों में बेल्ट लेकर मंदिर पहुंचे। इन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें मंदिर से घसीटकर बाहर निकाला और जमीन पर गिराकर पीटा। वीडियो में मारपीट के दौरान आरोपी युवक पुजारी पर एक युवती से छेड़खानी करने का आरोप भी लगा रहे हैं। पुजारी लगातार चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन मौके पर मौजूद कोई व्यक्ति बीच-बचाव करने नहीं आया। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घायल पुजारी मुकेश चतुर्वेदी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने घायल पुजारी का जिला अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण कराया है। एसएचओ सतेंद्र सिंह राघव ने बताया कि घटना के संबंध में जांच की जा रही है। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ शांति भंग में कार्रवाई की गई है।

मुठभेड़ में घायल दोनों आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

बांगरमऊ, एजेंसी। बिल्हौर-बांगरमऊ मार्ग पर डहन जाने वाले रास्ते पर सोमवार शाम वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई थी। इसमें हरदोई निवासी दो बदमाशों के पैर में गोली लगने से घायल हुए थे। उन्होंने वृद्ध के साथ चोरी की घटना भी कबूली थी। सीएचसी में उपचार के बाद मंगलवार को पुलिस ने दोनों को जेल भेजा है। कोतवाल चंद्रकांत सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में हरदोई जिले के सांडी थाना के ककेड़ी गांव निवासी विवेक उर्फ सुआ और दूसरा हरदोई सदर कोतवाली के कैथोलिया गांव निवासी सोलंकी घायल हुए थे। दोनों ने तीन अक्तूबर को कोतवाली क्षेत्र के हैबतपुर गांव निवासी रामजीवन के थैले से चोरी हुए 76000 रुपये चोरी की घटना में शामिल थे। रात भर सीएचसी में उपचार के बाद मंगलवार को हालत में सुधार होने पर दोनों को जेल भेजा गया है।

प्रदेश से मानसून हुआ विदा, सुबह और शाम हवा में घुली ठंडक

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मौसम बदल गया है। राजधानी में सुबह और शाम की हवा में ठंडक घुलने लगी है। बीते कुछ दिनों से पारे में उतार-चढ़ाव के बाद अब अंदाजा होने लगा है कि जल्द ही राजधानी शरद ऋतु दस्तक देने वाली है। मंगलवार की शाम को हल्की ठंडी हवाएं चलीं और लोगों को हल्की सिहरन महसूस हुई। रात में ग्रामीण इलाकों में हल्की धुंध भी देखी जा रही है।

मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार से अब राजधानी में बादलों की सक्रियता घटेगी और मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने के संकेत हैं। बादलों की सक्रियता कम होने के बावजूद दिन छोटा होने से शाम से सुबह तक तापमान में गिरावट होगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि राजधानी लखनऊ में मानसून अपने आखिरी दौर में है। दो तीन दिनों में राजधानी से मानसून के वापसी की परिस्थितियां बन सकती हैं। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ की स्थिति में ही बारिश देखने को मिलेगी। मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 1.3 डिग्री की गिरावट के साथ 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री लुढ़क कर 25.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

पूरे प्रदेश से मानसून विदाई के संकेत

उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से जारी बारिश का दौर अब थमने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक अब बुधवार से पश्चिमी यूपी में मौसम के शुष्क रहने के संकेत हैं। हालांकि पूर्वांचल के इलाकों में कहीं कहीं बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। कुल मिलाकर यूपी में अब मानसून विदाई की ओर है।

इस बूंदाबांदी के दौर के बाद प्रदेश में अगले दो-तीन दिनों में रात के पारे में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना जताई गई है। मंगलवार को पश्चिमी यूपी और एनसीआर के कुछ जिलों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। संभल में सर्वाधिक 120 मिमी और मुजफ्फरनगर में 60 मिमी बारिश दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि दक्षिणी-पश्चिमी मानसून वापसी की रेखा झांसी, शाहजहांपुर से होते हुए पूर्वी देशांतर तक जा रही है। अगले दो-तीन दिनों में प्रदेश भर से मानसून वापसी की परिस्थितियां बन सकती हैं।

फतेहपुर में भीषण सड़क हादसा, टायर फटने से स्कार्पियो खंदक में गिरी, चार लोगों की मौत-पांच को पुलिस ने बचाया

फतेहपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर बुधवार की सुबह भोर पहर एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब शादी समारोह से लौट रही एक स्कार्पियो अनियंत्रित होकर बड़ौरी ओवरब्रिज के पास पानी से भरे गहरे खंदक में जा गिरी।

हादसे में पानी में डूबने चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के सब्जी मंडी खुल्दाबाद से नौ लोग कानपुर के मोतीझील स्थित वाल्मीकि आश्रम में आयोजित सामूहिक शादी समारोह में शामिल होने गए थे।

पांच लोगों को सकुशल बचाया

बुधवार सुबह वापस लौटते समय बड़ौरी ओवरब्रिज के पास स्कार्पियो का टायर फट गया, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरे पानी भरे खंदक में जा घुसी। गाड़ी में पानी भर जाने के कारण चार लोगों की दम घुटने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांच लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया।

हादसे के मृतकों में ये हैं शामिल

पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। हादसे के मृतकों में साहिल गुप्ता (26), शिवम साहू (28), रितेश सोनकर (28), और राहुल केसरवानी (25) शामिल हैं। वहीं, चालक राहुल कुमार, महेश, अमित, सुमित, नीरज समेत पांच को बचा लिया गया।

आसमान में चक्कर काटता रहा दिल्ली से वाराणसी आ रहा विमान, लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी, एजेंसी। दिल्ली से वाराणसी आ रहा इंडिगो का विमान मौसम खराब होने के कारण वाराणसी एयरपोर्ट पर लैंड नहीं हो सका। काफी देर तक आसमान में उड़ता रहा। इसके बाद विमान को लखनऊ डायवर्ट किया गया। लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को इंडिगो का विमान 6 ई 2211 दिल्ली से अपने निर्धारित समय सुबह 5 बजे वाराणसी के लिए उड़ान भरा और सुबह 6 बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में पहुंचा और लैंडिंग की अनुमति मांगी लेकिन मौसम खराबी के कारण दृश्यता काफी कम थी। ऐसे में लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली।

विमान लगभग आधे घंटे तक हवा में चक्कर काटता रहा। मौसम ठीक न होने और फ्यूल कम होने के कारण विमान को नजदीकी एयरपोर्ट लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। लगभग दो घंटे बाद मौसम सामान्य होने पर विमान वापस वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचा। इस दौरान सभी यात्री विमान में ही बैठे रहे।

विवादित बैनर से नकहा में हड़कंप, तीन युवक हिरासत में- भीड़ हो गई थी इकट्ठा

गोरखपुर, एजेंसी। चिलुआताल थाना क्षेत्र के नकहा नंबर एक में मंगलवार को लगाए गए एक विवादित बैनर ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल हुईं तो कुछ लोग मौके पर वीडियो बनाने लगे। वहां स्थानीय कुछ लोग उनसे उलझ गए। मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला।

इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। दुकान की शटर के ऊपर लटक रहे बैनर पर भड़काऊ बातें लिखी गई हैं। ये बातें आपत्तिजनक हैं, इसलिए खबर में इनका जिक्र नहीं किया जा रहा है। सुबह करीब 10 बजे मोहल्ले के लोगों ने जब यह बैनर देखा, तो इलाके में चर्चा फैल गई।

कुछ ही देर में इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे कुछ लोगों से स्थानीय युवक उलझ पड़े, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। विवाद बढ़ने पर कई दुकानदारों ने दुकानें बंद कर दीं और भीड़ एकत्र हो गई।

सूचना मिलते ही चिलुआताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। जांच के दौरान पुलिस को नकहा रेलवे स्टेशन से लेकर बरगदवां स्पोर्ट्स कॉलेज तक की दीवारों पर भी इसी तरह के पोस्टर लगे मिले। स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने पोस्टर लगाने की जिम्मेदारी नहीं ली।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत सभी पोस्टर और बैनर हटवा दिए। थाना प्रभारी चिलुआताल सूरज सिंह ने बताया कि तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह जांच की जा रही है कि इन बैनरों को लगाने के पीछे किसकी मंशा थी और इसका उद्देश्य क्या था। फिलहाल इलाके में स्थिति शांत बनी हुई है, लेकिन पुलिस सतर्कता बनाए हुए है।

पुत्रवधू पर हमला: सिर और गर्दन पर मारा फरसा, हाथ आगे किया तो उसे भी काट डाला, खून से लथपथ थाने पहुंचा ससुर

मेरठ, एजेंसी। नौचंदी थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर सेक्टर 13 में सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी इकबाल हसन ने मंगलवार दोपहर अपनी पुत्रवधू राहत उर्फ हिना (26) पर जानलेवा हमला किया। उसने फरसे से पुत्रवधू के गर्दन और सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार किए। आरोपी उसे मरा समझ कर हाथ में खून से सना फरसा लेकर नौचंदी थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया।

उसने कहा-मैंने अपनी बहू को फरसे से काटकर मार डाला है, मुझे गिरफ्तार कर लो। घायल हिना को गंभीर अवस्था में आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि पुत्रवधू पर शक के कारण ससुर ने यह वारदात की है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, शास्त्रीनगर सेक्टर 13 निवासी इकबाल हसन करीब 12 साल पहले सेना से रिटायर्ड हुआ था। उसके बड़े बेटे महताब मलिक की शादी पांच साल पहले मेडिकल थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर निवासी राहत उर्फ हिना से हुई थी। उनके करीब डेढ़ साल का बेटा कबीर है। दोनों बच्चा पार्क के पास स्टार सिटी कॉम्पलेक्स में कोचिंग सेंटर चलाते हैं।

इकबाल का छोटा बेटा आफताब मेडिकल लाइन से जुड़ा है, जबकि बेटी नईमा एक बैंक में मैनेजर है। मंगलवार को दोनों बेटे एक रिश्तेदारी में मौत होने पर वहां गए थे। घर पर इकबाल, हिना, नईमा और मासूम कबीर था। दोपहर में नईमा और हिना छत पर खाना खा रही थी।

तभी ससुर इकबाल वहां आया और कंबल में छिपाकर लाए फरसे से हिना पर हमला कर दिया। उसके सिर और गर्दन पर फरसे से कई वार किए। हिना ने बचाव किया तो हाथ भी लहूलुहान हो गया। हिना लहूलुहान होकर गिर गई। यह दृश्य देखकर नईमा मदद के लिए चिल्लाई हुई मकान के बाहर की ओर भागी।

चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। यहां का मंजर देखकर सभी की रूह कांप गई। पड़ोस में फैक्टरी चलाने वाले फैक्टरी मालिक के साथ कार में हिना को लेकर लोग हयात अस्पताल पहुंचे। यहां पर डाक्टरों ने उसकी हालत देखते हुए उपचार से इंकार कर दिया। इसके बाद दूसरे अस्पताल गए, वहां भी डॉक्टरों ने इलाज से मना कर दिया। इसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज ले जाकर भर्ती कराया। वहां से बाद में परिजनों ने उसे आनंद अस्पताल में भर्ती कराया।

बाइक पर सवार होकर पहुंचा नौचंदी थाने : इकबाल हसन पुत्रवधू पर जानलेवा हमले के बाद घर से निकला और बाइक सवार होकर नौचंदी थाने पहुंच गया। खून से सने कपड़ों और हाथ में खून से सना फरसा लेकर इकबाल हसन ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। वह थाने जाकर बोला, मैने अपनी बहू को काटकर मार दिया है। उसकी बात सुनकर पुलिस कर्मियों के भी होश उड़ गए।

इंस्पेक्टर नौचंदी इलम सिंह ने आला अफसरों को इसकी जानकारी दी और घटनास्थल पर पहुंचे। घर में चारों तरफ खून बिखरा था। घायल हिना को परिजन व पड़ोसी मेडिकल कॉलेज लेकर चले गए थे। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर हिना की हाल जाना और परिजनों से घटना की जानकारी ली। महताब मलिक और आफताब भी अस्पताल पहुंच गए। सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। उसने हमलावर ससुर इकबाल हसन से भी पूछताछ की। उधर, हिना के मायके वाले भी अस्पताल पहुंच गए।

बाइक हैंडल छूने पर सिपाही ने खोया आपा, भाजपा कार्यकर्ता को रायफल की बट से पीटा, भाजपाइयों का हंगामा

कानपुर, एजेंसी। कन्नौज जिले में मोहल्ला ग्वाल मैदान में रावण दहन मेला देखकर घर जा रहे भाजपा कार्यकर्ता को सिपाही ने पीट दिया,जिससे वह घायल हो गया। घटना की जानकारी होने पर भाजपाइयों ने कोतवाली घेर ली और सिपाही पर कार्रवाई की मांग कर हंगामा किया। युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। शहर के मोहल्ला यूसुफपुर भगवान मकरंदनगर निवासी भाजपा कार्यकर्ता आकाश मिश्रा देर रात करीब 11 बजे मोहल्ला ग्वाल मैदान में रावण दहन मेला देखकर घर जा रहा था।

फूलमती मंदिर चौराहे पर ड्यूटी पर तैनात सिपाही अजय पांडेय को बाइक का हैंडल छू गया। इससे आगबबूला हुए सिपाही ने आकाश को पकड़ लिया और रायफल की बट से पीटना शुरू कर दिया। उसके कान के पास और पेट में गहरी चोट आई है। आकाश ने घटना की जानकारी भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक को दी। थोड़ी देर में भाजपा नगर अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे, तब तक सिपाही मौके से भाग गया था। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता सदर कोतवाली पहुंचे और आरोपी सिपाही पर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

आरोपी सिपाही पर होगी कार्रवाई

नगर अध्यक्ष ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी सिपाही को निलंबित करने की मांग की। मौके पर पहुंचे कलां चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और घायल आकाश को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में सीओ सिटी अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया कि वह और कोतवाल जितेंद्र प्रताप सिंह हाइकोर्ट गए थे, वहां से वापस लौट रहे हैं। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी सिपाही पर कार्रवाई की जाएगी।

काशी विद्यापीठ: दीक्षांत समारोह में अनिकेत को मिला अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

वाराणसी, एजेंसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में एमए इन जर्नलिज्म एंड मॉस कम्यूनिकेशन के छात्र अनिकेत श्रीवास्तव को अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक से नवाजा गया। सोनभद्र स्थित विश्वविद्यालय के एनटीपीसी परिसर के छात्र अनिकेत ने परीक्षा में 7.900 सीजीपीए के साथ सफलता अर्जित की है।

बुधवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. सरोज चूड़ामणि और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों अनिकेत को स्वर्ण पदक दिया गया। यूपी के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पत्रकारिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक दिया गया है।

इसी क्रम में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के एनटीपीसी परिसर के छात्र अनिकेत को सर्वाधिक अंक हासिल करने पर ये पदक दिया गया। मूल रूप से सोनभद्र के डाला नगर पंचायत निवासी अनिकेत के पिता संजय श्रीवास्तव व्यवसायी और माता अलका श्रीवास्तव गृहिणी हैं।

अनिकेत ने अपनी इस सफलता का श्रेय पत्रकारिता विभाग के शिक्षक डॉ. छोटेलाल प्रसाद और अन्य शिक्षकों के साथ मां-पिता को दिया है। अनिकेत ने कहा कि एनटीपीसी में विश्वविद्यालय प्रशासन को संसाधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

प्रदेश की चुनाव प्रक्रिया में बड़ा बदलाव, हर मतदाता को भरना होगा गणना फार्म, पूरी हुई एसआईआर की प्रक्रिया

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बिहार की तरह मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके तहत प्रदेश में हर मतदाता को गणना फॉर्म भरकर साइन करना होगा। चुनाव आयोग से तिथियां जारी होते ही यह गणना फॉर्म लेकर बीएलओ घर-घर जाएंगे।

इस संबंध में यूपी के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी संबंधित अधिकारियों को ट्रेनिंग दे दी है। एसआईआर के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची वेबसाइट पर अपलोड करने का काम चल रहा है। यह वो मतदाता सूची हैं, जिनका प्रयोग विधानसभा व लोकसभा चुनाव में होता है।

उसके बाद बीएलओ प्रि-प्रिंटेड (पहले से भरे) गणना फॉर्म दो प्रतियों में मतदाताओं को देंगे। इसमें से एक प्रति मतदाता के साइन करवाकर अपने पास रख लेंगे। अगर मतदाता का नाम वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट में है, तो वह सत्यापन के दौरान उसकी डिटेल बीएलओ को दे देगा। आयोग का प्रयास है कि बीएलओ खुद ही 2003 की वोटर लिस्ट की डिटेल निकालकर संबंधित मतदाताओं के गणना फॉर्म के साथ लगा दें, ताकि मतदाताओं को कोई असुविधा न हो। 2003 की मतदाता सूची से पुष्ट मतदाताओं के नाम फाइनल सूची मे शामिल कर लिए जाएंगे।

देनी होगी ये डिटेल : जिन मतदाताओं के नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं है और उनका जन्म 1 जुलाई 1987 से पहले हुआ है, उन्हें आयोग की ओर से मान्य 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज बीएलओ को देना होगा। इसी तरह से तीसरी श्रेणी में वे मतदाता होंगे, जिनका जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच हुआ है, उन्हें अपना कोई एक मान्य दस्तावेज और अपने माता या पिता में से किसी एक का मान्य दस्तावेज देना होगा। अगर इस अवधि में जन्म लेने वाले मतदाता के माता या पिता का नाम 2003 की मतदाता सूची में है, तो उसका ब्योरा भी प्रमाण के तौर पर स्वीकार किया जाएगा।

चौथी श्रेणी में दो दिसंबर 2004 के बाद जन्म लेने वाले मतदाता होंगे। उन्हें अपने और अपने माता-पिता दोनों का कोई एक मान्य दस्तावेज देना होगा। जन्म की अवधि की ये तिथियां नागरिकता संबंधी अधिनियम में समय-समय पर हुए संशोधनों को ध्यान में रखते हुए तय की गई हैं। यहां बता दें कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में करीब 15 करोड़ 42 लाख मतदाता हैं। माना जा रहा है कि करीब 70 प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन 2003 की मतदाता सूची के आधार पर हो जाएगा।

अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में अभी भी जगह खाली, इन मुकाबलों में परखे जाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों की तैयारी में जुटी है। इस बीच टीम के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि विश्व कप 2026 के लिए टीम में अभी भी जगह खाली है। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने बताया है कि इन मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होने वाले टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए किया जाएगा। शुक्रवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले लियोनेल स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल हो सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं, जैसे 2022 के कतर विश्व कप से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है, लेकिन हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी आखिरी समय में बाहर हो गए थे। यह सच है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करके अगले साल होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की है। स्कालोनी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी। उनका मानना है कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोई भी मैच वास्तव में मैत्रीपूर्ण नहीं होता। मैनेजर ने कहा, हमें लगता है कि हर बार जब कोई अंतरराष्ट्रीय मैच होता है, चाहे वह आधिकारिक हो या मैत्रीपूर्ण, एक शानदार अवसर प्रदान करता है। आगे क्या होता है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। बहुत कुछ दांव पर लगा है। इन मुकाबलों में हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन, चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

शंघाई, एजेंसी। नोवाक जोकोविचने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़िओउ बर्ग्स से होगा। वहीं, मंगलवार को होल्गर रूण लगभग तीन साल बाद अपने पहले मास्टर्स 1000 खिताब के करीब पहुंचे, जब उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 6-4, 6-7(7), 6-3 से हराया।

महिला विश्व कपः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

भारत को शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा।

भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला। श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ

12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए . वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी।

फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्ज और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

टीमें: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीकाः लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

मैचः दोपहर तीन बजे।

93वां वायुसेना दिवसः

तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने किया आसमान के रक्षकों को सलाम

नई दिल्ली, एजेंसी। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत ने वायुसेना के वीर योद्धाओं को शुभकामनाएं दी हैं। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए, भारतीय वायु सेना साहस और समर्पण के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करती है और उसे और ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करती है।

सचिन तेंदुलकर साल 2010 में वायु सेना के मानद ग्रुप कैप्टन बने थे। ऐसा सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने लिखा, इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बनकर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद! भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम! अपनी विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी के लिए भारतीय क्रिकेट जगत में पहचान बनाने वाले शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं में से एक का जश्न मनाते हुए आकाश के असली मालिकों को सलाम।

93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर को याद किया गया। इस समारोह में देश के जांबाजों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसके बाद 7 मई को भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया।

इस ऑपरेशन में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंडन एयरबेस पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत की। समारोह में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया। लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को पूरी दुनिया के सामने दिखाया गया।

मेसी को पीछे छोड़ा

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने पहले अरबपति फुटबॉलर

लंदन, एजेंसी। रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया।

फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं।

ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

वेतन और क्लब करियरः रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया।

ब्रांड एंडोर्समेंट्स और व्यावसायिक निवेशः रोनाल्डो की कमाई का दूसरा स्तंभ एंडोर्समेंट्स हैं। नाइकी के साथ उनका दस साल का समझौता उन्हें सालाना लगभग 18 मिलियन यूएस डॉलर आमदनी देता है। इसके अलावा अरमानी और कैस्ट्रोल जैसे ब्रांड्स के साथ साझेदारियों से उनकी कुल संपत्ति में लगभग 175 मिलियन यूएस डॉलर का इजाफा हुआ है। उन्होंने अपने सीआर-7 ब्रांड के तहत होटल, जिम, और फैशन में भी अपनी पहचान बनाई है। इसके अलावा रोनाल्डो के पास कई लग्जरी प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें लिस्बन के पास स्थित क्विंटा दा मरिन्हा हाई-एंड गोल्फ रिसॉर्ट की संपत्ति शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 20 मिलियन यूरो बताई गई है।

कमाई में मेसी से तुलनाः रोनाल्डो के लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी ने अपने करियर में कुल लगभग 600 मिलियन यूएस डॉलर प्री-टैक्स वेतन कमाया है।

इंडिया अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप, खिलन पटेल ने 6 विकेट लिए; वैभव सूर्यवंशी शून्य पर आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 36 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 116 रन ही बना सकी। जीत के लिए 81 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे महज 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 33 और राहुल कुमार 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह दूसरा यूथ टेस्ट 2 दिन के भीतर खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारतीय टीम ने लगातार 5वीं जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 3 मैचों की ODI सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। इस मुकाबले में भारत के लिए खेनिल पटेल हीरो रहे जिन्होंने कुल 6 विकेट इस मैच में झटके।

दोनों पारियों में 3-3 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में भारत को बढ़त दिलाने में अपने 22 रनों से अहम योगदान भी दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने पहले टेस्ट में शतक जड़ा थाः वैभव सूर्यवंशी ने इस पूरे दौरे पर कई अच्छी पारियां खेली हैं। उन्होंने वनडे सीरीज के तीनों मैचों में 38, 70 और 16 रन की पारियां खेली थीं। वहीं पहले यूथ टेस्ट में उन्होंने 113 रन बनाए थे और भारत की पारी से जीत में अहम योगदान निभाया था। फिर दूसरे यूथ टेस्ट में उनका प्रफॉरमेंस खास नहीं रहा और वह 20 और 0 का ही योगदान कर पाए। पूरे दौरे पर 14 साल के बल्लेबाज ने अपने टी-20 वाले अंदाज को जारी रखा है।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को भारतीय कुश्ती महासंघ ने किया निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अमन सहरावत को एक साल के लिए निलंबित कर दिया।

22 वर्षीय सहरावत को सितंबर में क्रोएशिया के जाग्रेब में हुई विश्व चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार सीमा पार करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। 23 सितंबर से लागू हुए निलंबन की वजह से सहरावत सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। अमन सहरावत के निलंबन की पुष्टि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने की। आईएएनएस को संजय सिंह ने बताया कि अमन सहरावत को अनुशासनात्मक नोटिस भेजा गया था जिसका वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस वजह से उन्हें निलंबित किया गया। संजय सिंह कहा, भारतीय कुश्ती महासंघ ने वजन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए अमन सहरावत को निलंबित करने की घोषणा की है। 23 सितंबर से प्रभावी यह निलंबन उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी कुश्ती गतिविधि में भाग लेने से रोकता है।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।

नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और

जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं। नीरज ने कहा, मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है।

मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्ज़रलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा। नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएँ विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में।

रोहित शर्मा को संन्यास ले लेना चाहिए...

बेइज्जत होने से अच्छा मत खेलो, गौतम गंभीर के खिलाफ दिग्गज ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। उनकी जगह युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। यह फैसला ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले लिया गया है। 38 साल के रोहित शर्मा के लिए यह खबर अच्छी नहीं है। अब उन्हें भी बाकी खिलाड़ियों की तरह अपने प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनानी होगी। अगर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो उन्हें टीम से बाहर भी किया जा सकता है। शुभमन गिल को कप्तान बनाने का फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है। 26 साल के गिल को भविष्य का कप्तान माना जा रहा था लेकिन रोहित शर्मा के रहते हुए जिन्होंने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी उन्हें इतनी जल्दी कप्तानी देना थोड़ा अजीब लगता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट में ऐसे उत्तराधिकार की योजनाएं पहले भी देखी गई हैं। एमएस धोनी के 2019 वर्ल्ड कप से दो साल पहले 2017 में विराट कोहली को वनडे की कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन यहां एक बड़ा अंतर यह है कि रोहित शर्मा 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए टीम का हिस्सा होंगे या नहीं यह पक्का नहीं है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने 38 वर्षीय रोहित शर्मा से आग्रह किया है कि वे बीसीसीआई से इस तरह का बर्ताव बर्दाश्त न करें और जिस एकमात्र फॉर्मेट में वे अभी सक्रिय हैं उससे संन्यास ले लें। तिवारी का मानना है कि बीसीसीआई का रोहित के प्रति अनादर यहीं नहीं रुकेगा बल्कि और बढ़ेगा। इसलिए इससे पहले कि भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक को और अपमान झेलना पड़े बेहतर होगा कि वे खुद को इस शर्मिंदगी से बचा लें। तिवारी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे (रोहित) अब उनकी योजनाओं में हैं। अब सब कुछ उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। अगर मैं रोहित शर्मा होता तो मैं इसके बाद संन्यास लेने पर विचार करता। उनके जैसे खिलाड़ी को इस तरह के अपमान का हकदार नहीं है। तिवारी बीसीसीआई के बर्ताव से रोहित शर्मा को देखकर दुखी हैं। रोहित का कप्तानी का कार्यकाल कुछ पूर्व कप्तानों की तुलना में काफी छोटा था यानी चार साल से भी कम। लेकिन इस दौरान रोहित ने भारत को आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दो बार खत्म किया।

वरुण चक्रवर्ती ने अपनी अंतरराष्ट्रीय वापसी के लिए सूर्यकुमार और गंभीर को दिया श्रेय

मुंबई, एजेंसी। दुनिया के शीर्ष टी20 गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का कहना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में साहसी मानसिकता को बढ़ावा दिया है, जिसमें हार का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने लगभग तीन साल टीम से बाहर रहने के बाद अपनी अंतरराष्ट्रीय वापसी का श्रेय गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दिया।

वरुण ने मंगलवार को मुंबई में सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स के मौके पर कहा, मैं (गंभीर) उनके बारे में एक बात जरूर कह सकता हूं कि वह टीम में एक साहसी मानसिकता लेकर आते हैं जहां हार का कोई विकल्प नहीं होता। आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है और मैदान पर अपना सब कुछ झोंक देना होता है और बाद में, जो भी होता है, होता है। जब वह मौजूद होते हैं, तो कोई सामान्यता नहीं रहती - आप मैदान में औसत नहीं हो सकते, ऐसा मैं महसूस करता हूं।

वरुण ने जुलाई 2021 में भारत के लिए पदार्पण किया था, लेकिन 2021 टी20 विश्व कप में एक कठिन अभियान का सामना करने के बाद, उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया और अक्टूबर 2024 में ही वे भारत के लिए दोबारा खेले। तब से, वरुण भारत की टी20 एकादश में नियमित रूप से शामिल रहे हैं और उन्होंने अपना वनडे पदार्पण भी किया है और इस साल की शुरुआत में टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।